卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐 जय बाबा की卐卐 श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यःशोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 25 ♦अंक 49 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦सोमवार ♦25 नवम्बर 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR
SALE, PURCHASE
RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE
WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4,
Adarsh Colony, Rudrapur

दीपम सेठ उत्तराखंड के नये डीजीपी

देहरादून (उद संवाददाता)।दीपम सेठ उत्तराखंड के 13वें डीजीपी बन गए हैं। गृह विभाग की ओर से आदेश जारी होने के साथ ही उन्होंने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। एडीजी दीपम सेठ ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटकर सोमवार को मूल कैडर ज्वाइन किया। ज्वाइन करते ही उन्हें पुलिस के 13वें मुखिया की जिम्मेदारी भी दी गई। दीपम सेठ 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। और वर्ष 2019 से केंद्रीय प्रति नियुक्ति पर थे। अभी उनकी प्रतिनियुक्ति अवधि पूरी नहीं हुई थी कि शासन ने उन्हें वापस बुलाने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा था। पत्र के एक दिन बाद ही केंद्र ने उन्हें रिलीव भी कर दिया। बता दें कि एडीजी दीपम सेठ उत्तराखंड कैडर के वर्तमान में सबसे

वरिष्ठ अधिकारी हैं। पिछले साल पूर्व डीजीपी अशोक कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद सेठ के वापस आने की चर्चाएं हुई थीं। सरकार ने उनका नाम भी डीजीपी के पैनल में शामिल करते हुए यूपीएससी को भेजा था। लेकिन, वह प्रतिनियुक्ति से वापस नहीं आए थे। ऐसे में सभी जरूरी अर्हताएं पूरी करने वाले अधिकारियों में एडीजी अभिनव कुमार का नंबर आ गया था। उन्होंने पिछले साल 30 नवंबर की शाम को प्रदेश के 12वें डीजीपी (कार्यवाहक) के रूप में पुलिस की कमान संभाली थी। लेकिन, पिछले दिनों फिर से डीजीपी के चयन के लिए एक पैनल यूपीएससी भेजा गया। मगर, इस पैनल में अभिनव कुमार का नाम शामिल नहीं था। यूपी की तर्ज पर डीजीपी का (शेष पृष्ठ सात पर)

बोलेरो और स्कूटी की भिड़ंत में पांच घायल

टनकपुर (उद संवाददाता)। लोहाघाट-चंपावत राष्ट्रीय राजमार्ग पर मानेश्वर के पास स्कूटी और बुलेरो की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में स्कूटी सवार और बुलेरो में सवार पांच लोग घायल हो गये। घायलों को अस्पताल भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक लोहाघाट निवासी 39 वर्षीय ललित मुरारी सोमवार को स्कूटी पर चंपावत से लोहाघाट

की ओर जा रहा था। इसी दौरान मानेश्वर के पास सामने से आ रही बुलेरो से स्कूटी की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी चालक उछलकर सामने से आ रहे कैंटर की चपेट में आ गया। स्कूटी सवार (शेष पृष्ठ सात पर)

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। बहला फुसलाकर युवती से दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार गत 8 नवम्बर को एक युवक द्वारा युवती को बहला फुसलाकर उससे दुष्कर्म किया गया था। पीड़िता द्वारा इस मामले में लाईन नम्बर 10 बनभूलपुरा हल्द्वानी निवासी आकिल पुत्र निगार अहमद के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया गया था। मामले पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी आकिल को आदर्श कालोनी में घूमते गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उससे मामले में पूछताछ कर रही है।

एसएसपी ने लगाई यातायात चौपाल,चालकों को पढ़ाया नियमों का पाठ

निजी बसों और टैक्सियों में लगे सीसी कैमरे भी चेक किये

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पुलिस प्रशासन द्वारा सोमवार को डीडी चौक पर यातायात चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने उपस्थित सभी निजी यात्री बसों एवं टैक्सी चालकों को यातायात नियमों की विस्तार से जानकारी देते हुए उन्हें नियमों को पालन करने के प्रति जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने कई निजी यात्री बसों एवं टैक्सियों में

लगाये गये सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण भी किया और चालकों को प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी ढ़ंग से अंकुश लगाने में सभी वाहन चालक पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से निजी यात्री वाहनों में सीसीटीवी कैमरे लगवायें जा रहे हैं। एसएसपी ने सभी चालकों को निर्देशित करते हुए कहा कि नशे में वाहन न चलायें, निर्धारित संख्या से ज्यादा यात्री न बैठायें, वाहन चलाने के दौरान यातायात नियमों का पूरी तरह से पालन करें, यात्रियों से शालीनता से पेश आयें, किसी भी संदिग्ध यात्री या सामान के दिखाई देने पर इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि जनपद में चलने वाले सभी यात्री वाहनों में अनिवार्य रूप (शेष पृष्ठ सात पर)

रिटायर्ड फौजी ने सरकारी अस्पताल में की फायरिंग

फायरिंग से अस्पताल में मचा हड़कंप, आरोपी गिरफ्तार

रामनगर (उद संवाददाता)।रविवार देर रात स्वर्गीय रामदत्त जोशी राजकीय संयुक्त चिकित्सालय में एक रिटायर्ड फौजी की अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों व अन्य स्टाफ से उपचार को लेकर हुई बहस के बाद जमकर बवाल हो गया। बताया जाता है कि इसी बीच रिटायर्ड फौजी ने अपने लाईसेंसी रिवाल्वर से अस्पताल में हवाई फायरिंग कर दी जिससे अस्पताल में हड़कम्प मच गया। फायरिंग से अस्पताल में मौजूद डॉक्टर और स्टाफ घबरा गए। मामले में कोतवाली पुलिस ने चिकित्सक की

तहरीर पर आरोपी रिटायर्ड फौजी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि ग्राम जस्सागांजा निवासी रिटायर्ड फौजी मनोज गिरी रविवार की रात किसी एक अन्य साथी को उपचार के लिए रामनगर के सरकारी अस्पताल लाया था। इसी बीच पूर्व फौजी और डॉक्टर के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई। इसी दौरान पूर्व फौजी ने अपने लाइसेंसी रिवाल्वर (शेष पृष्ठ सात पर)

हाईवे पर चलते ट्रक में भड़की आग, लाखों की क्षति

रुड़की (उद संवाददाता)। हाईवे पर चलते हुए ट्रक में अचानक से भीषण आग लग गई। ट्रक चालक और परिचालक ने किसी तरह ट्रक से कूद कर अपनी जान बचाई और मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। बताया गया है कि समय रहते आग पर काबू न पाया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार देर रात्रि ट्रक संख्या यूके-14सी 4664 ऋषिकेश से हरियाणा सामान लेकर जा रहा था। मंगलौर बाईपास पर अचानक ट्रक के केबिन से धुआं उठने

लगा। देखते ही देखते ट्रक में भीषण आग लग गई। आनन फानन में ट्रक चालक ओमकार सिंह निवासी ऋषिकेश और परिचालक गुलाब सिंह निवासी उत्तर प्रदेश ने किसी तरह ट्रक को रोका और कूद कर अपनी जान बचाई। चालक ने मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड की टीम ने ट्रक में लगी आग को काबू किया। ट्रक में लाखों रुपए का सामान रखा हुआ था। इससे पहले कि आग सामान और तेल के टैंक में पहुंचती उससे पहले ही फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। घटना की जानकारी मिलने के बाद ट्रक (शेष पृष्ठ सात पर)

औधे मुंह गिरी 'आयुष उत्तराखंड' की मुहिम

-अर्श-

स्थापना के स्वर्ण जयंती वर्ष में एनसीआईएसएम की रेटिंग से बाहर हुए उत्तराखंड के बारह आयुष कॉलेज,उत्तराखंड के आयुष कॉलेजों में से केवल पतंजलि भारतीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान हरिद्वार ही हासिल कर पाया 'ए' ग्रेड

देहरादून। पृथक उत्तराखंड के गठन के बाद सूबे को ऊर्जा राजधानी, आयुष प्रदेश बनाने जैसे बड़े-बड़े वादे किए गए थे। स्थापना के स्वर्ण जयंती वर्ष में ऊर्जा उत्पादन की दिशा में उत्तराखंड की क्या स्थिति है ? यह तो जग जाहिर ही है, लेकिन अब उत्तराखंड को आयुष प्रदेश बनाने के संकल्प का एक शर्मनाक पहलू भी निकाल कर सामने आ गया है। ज्ञात हो की विभिन्न जड़ी बूटियों एवं तमाम जड़ी बूटियों तथा आयुर्वेदिक औषधियों की अपार प्राकृतिक संपदा के धनी, जिस उत्तराखंड को राज्य आंदोलन कारियों ने आयुष प्रदेश बनाने का सपना संजोया था, उस उत्तराखंड की स्थापना के रजत जयंती वर्ष में प्रदेश के 20 आयुष कॉलेजों में से 12 कॉलेज नेशनल कमिशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन के मानकों पर खरे नहीं उतरे। जिसके चलते राज्य के उपरोक्त 12 निजी आयुष कॉलेजों को नेशनल कमिशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन की रेटिंग से बाहर होना पड़ा है ।उल्लेखनीय है कि नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन की ओर से हाल ही में देश के 540 आयुष महाविद्यालयों का टाइम

मांगों के आधार पर मूल्यांकन करके आयुष कॉलेजों की एक रेटिंग जारी की गई है ।एनसीआईएसएम के मेडिकल एसेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड की ओर से जारी की गई इस रेटिंग में उत्तराखंड के कुल 20 आयुष कॉलेजों में से मात्र 8 आयुष कॉलेज ही मानकों पर खरे उतरे हैं तथा प्रदेश में मौजूद 12 निजी कॉलेज मानकों पर अधूरे पाए गए हैं। यह पहला मौका है जब एनसीआईएसएम के मेडिकल एसेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड की ओर से देशभर में संचालित आयुष कॉलेजों के लिए तय मानकों के आधार पर रेटिंग जारी की गई है। एनसीआईएसएम की वेबसाइट पर जारी रेटिंग सूची के अनुसार देश भर में मौजूद 540 आयुष कॉलेजों को मूल्यांकन सूची में शामिल किया गया था। इन सभी आयुष कॉलेजों के लिए टाइम मांगों के आधार पर मूल्यांकन किया गया। इसमें से केवल 221 आयुष कॉलेज ही मानकों पर खरे उतरे। शेष 319 आयुष कॉलेज मानकों पर अधूरे पाए गए । मेडिकल एसेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड ने मानकों पर खरे उतरे 221 आयुष कॉलेज को मानकों के आधार पर तीन श्रेणी में बांटा गया है ।इसके तहत विभिन्न प्रदेशों के 55 आयुष कॉलेजों को श्एश रेटिंग में शामिल किया गया है। रेटिंग में इसी प्रकार भारत के सभी प्रदेशों के कुल 55 आयुष कॉलेजों को श्बीश रेटिंग प्रदान की गई है। वहीं विभिन्न राज्यों के 111 आयुष कॉलेज को श्सीश रेटिंग के अंतर्गत रखा गया है ।बात उत्तराखंड में मौजूद (शेष पृष्ठ सात पर)

सड़क हादसे में यूकेडी नेता त्रिवेंद्र पंवार समेत तीन लोगों की मौत

ऋषिकेश में तेज रफ्तार सीमेंट से लदे ट्रक ने वेडिंग प्वाइंट के सामने खड़ी पांच गाडियों को मारी टक्कर ,हादसे पर सीएम धामी समेत कई प्रदेश के कई नेताओ ने जताया शोक

देहरादून-ऋषिकेश रोड स्थित इंद्रमणि बडोनी चौक के पास रविवार देर रात सीमेंट से भरे बेकाबू ट्रक ने सात कारों को टक्कर मार दी। ट्रक से कुचलने पर उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष त्रिवेंद्र सिंह पंवार निवासी ऋषिकेश समेत दो लोगों की मौत हो गई। दूसरे मृतक की पहचान गुरजीत सिंह निवासी लालतप्पड़ ऋषिकेश के रूप में हुई है। हादसे में एक अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जबकि कई लोग बाल-बाल बच गए। गंभीर रूप से घायल शख्स को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, इंद्रमणि चौक (नटराज चौक) के पास एक वेडिंग प्वाइंट में ऋषिकेश निवासी एक पूर्व दर्जाधारी के परिवार के सदस्य का शादी समारोह चल रहा था। आयोजन में शहर और आसपास से भारी संख्या में लोग शामिल होने के लिए पहुंचे थे। रविवार रात करीब 10 बजे आयोजन स्थल के पास सीमेंट से भरा एक ट्रक तेज रफ्तार से आया और अनियंत्रित ट्रक ने एक के बाद एक सात कारों को टक्कर मार दी। इसी दौरान ट्रक ने यूकेडी के वरिष्ठ नेता त्रिवेंद्र पंवार और गुरजीत को कुचल दिया। दोनों घायलों को तुरंत एम्स पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं एक अन्य घायल को ऋषिकेश सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के तुरंत बाद आरोपी चालक ट्रक मौके पर ही छोड़कर भाग गया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। वरिष्ठ उप निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस ने वाहनों को किनारे लगाकर सड़क पर वाहनों की आवाजाही सुचारू कराई। वहीं सीओ ऋषिकेश संदीप नेगी ने इस हादसे में यूकेडी नेता समेत दो लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आरोपी चालक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। यूकेडी के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष त्रिवेंद्र पंवार हमेशा पार्टी के भीतर राज्य के मुद्दों को लेकर आक्रामक भूमिका में रहे। मूल निवास और भू-कानून के मुद्दों को लेकर वह हमेशा सरकारों के खिलाफ जनता को लामबंद करने की भूमिका में रहे। हाल ही में मूल निवास-भू कानून के मुद्दे को लेकर सीएम आवास तक निकाली गई तांडव रैली के भी वे संयोजक थे। पंवार 2002 में प्रतापनगर से यूकेडी के सिंबल पर विधानसभा का चुनाव लड़े थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूकेडी के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष त्रिवेंद्र पंवार की मौत पर दुख जताया है। सीएम दिवंगत यूकेडी नेता त्रिवेंद्र पंवार को विनम्र श्रद्धाजलि देते हुए शोक संदेश में कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष एवं संरक्षक त्रिवेंद्र सिंह पंवार जी के दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में निधन का दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों, समर्थकों को यह असीम कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करें। वहीं पूर्व सीएम एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने यूकेडी नेता त्रिवेंद्र पंवार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि अभी मध्य रात्रि से कुछ पूर्व ऋषिकेश के नटराज चौक के पास में हुई भीषण सड़क दुर्घटना में राज्य के एक मूर्धन्य नेता, प्रखर राज्य आंदोलनकारी, यूकेडी के पूर्व अध्यक्ष त्रिवेंद्र सिंह पवार और उनके कुछ साथियों की दु:खद हृदय विदारक मौत का समाचार प्राप्त हुआ है, मन बहुत क्षुब्ध है। राज्य ने एक कर्मठ दूरदर्शी नेता खोया है। मैं, उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके कुटुंबीजनों व उक्रांद सहित उनके संघर्षशील परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रेषित करता हूं। भगवान, दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं उनके परिजनों को इस असहनीय दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करें और जो लोग घायल हुए हैं मैं, उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

गुगल मैप ने दिखा दिया गलत रास्ता: अधूरे पुल पर चढ़ी कार, तीन लोगों ने गवाई जान

बरेली(उद संवाददाता)। आजकल कहीं भी किसी अंजान जगह जाना हो तो लोग बिना किसी परेशानी के गूगल मैप के सहारे सफर तय कर लेते है। लेकिन गूगल मैप पर इतना भरोसा करना जानलेवा भी साबित हो सकता है। ऐसे कई मामले सामने आए है जब जीपीएस सुनसान, उबड़-खाबड़ और बंद रास्ते पर हमें ले जाता है। ऐसा ही एक मामला यूपी के बरेली से सामने आ रहा है। जहां पर कार में सफर कर रहे लोगों को जीपीएस ने सबसे फास्ट रूट में अधूरे पुल का रास्ता दिखा दिया। जिसके चलते पुल से गाड़ी नीचे को जा गिरी। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। दरअसल बीते साल जुलाई में फरीदपुर के खल्लपुर गांव के पास बरेली को बदायूं से कनेक्ट करने के लिए बनाए गए पुल की एप्रोच रोड कट गई थी। ऐसे में गांव और पुल के बीच नदी बहने लगी। साथ ही अधूरे पुल का एक हिस्सा नदी की तरफ खुला। इसमें आवागमन बंद कराने के लिए पुल की शुरुआत में एक पतली दीवार बनवाई गई थी। लेकिन ग्रामीणों ने वो दीवार तोड़ दी। जिसके बाद पुल का रास्ता बंद करने के लिए प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया। इसी रास्ते से कार में सवार लोग गुरुग्राम से एक शादी में जाने के लिए फरीदपुर आ रहे थे। रास्ते के लिए लोगों ने गूगल मैप का इस्तेमाल किया। इसी के चलते वो अधूरे पुल पर चढ़ गए और हादसे में तीन लोगों की जान चली गई। जानकारी के मुताबिक, खल्लपुर गांव के पास हुई मौत में चचेरे भाई विवेक चौहान और कौशल अपनी भतीजी की शादी में शिरकत करने नेफरीदपुर जा रहे थे। इस कार में एक और शख्स सवार था जिसका नाम अमित था।

बुग्यालों के संरक्षण के लिए तैयार होगी एसओपी: डॉ. धनंजय

उत्तरकाशी। राज्य के बुग्यालों (हरे घास के मैदान) के संरक्षण के लिए वन विभाग एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) तैयार करेगा। दयारा बुग्याल सहित राज्य के अन्य बुग्यालों में प्राकृतिक और मानवीय कारण से बढ़ते भूस्खलन और भू-धंसाव को रोकने के लिए विभाग ने यह निर्णय लिया है। साथ ही विभाग बुग्यालों के संरक्षण के संबंध में हाईकोर्ट की ओर से जारी निर्देशों का अनुपालन भी सुनिश्चित करेगा। यह जानकारी दयारा बुग्याल का भ्रमण कर लौटे राज्य के प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) डॉ. धनंजय मोहन और भागीरथी वृत्त के वन संरक्षक धर्म सिंह मीणा ने रविवार को पत्रकार वार्ता में दी। पीसीसीएफ ने कहा, दयारा बुग्याल पारिस्थितिकी के लिहाज से महत्वपूर्ण संवेदनशील क्षेत्र है। इस बुग्याल पूर्व में जो पारिस्थितिकी पुनर्स्थापना का काम किया गया था, उसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्हें दयारा के साथ अन्य बुग्यालों में भी आगे बढ़ाते हुए भूस्खलन और भू-धंसाव रूपी घाव पर जियो जूट रूपी मरहम पट्टी की जाएगी। उन्होंने दयारा के नीचे गोई नामक स्थान पर भूस्खलन की रोकथाम को भी उपचार कार्य शुरू करने की बात कही। वहीं, वन संरक्षक भागीरथी वृत्त धर्म सिंह मीणा ने कहा, बुग्याल संरक्षण

योजना में अभी तक 22 बुग्यालों में करीब 83 हेक्टेयर क्षेत्र में काम हुआ है। सभी बुग्यालों में जो जैविक दबाव पड़ रहे, उसे कम करने को जल्द एक एसओपी तैयार की जाएगी। पीसीसीएफ ने वनाग्नि नियंत्रण के लिए फायर सीजन से पूर्व ही तैयारी शुरू करने की बात कही। बता दें कि अमर उजाला ने बीते 18 नवंबर को स्पेशल रिपोर्ट में उधड़ रहीं घास की परतें, भूस्खलन और भू-धंसाव से खतरे में दयारा शीर्षक से ग्राउंड रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसके बाद वन विभाग बुग्याल के संरक्षण के लिए हरकत में आया। पीसीसीएफ ने गंगोत्री के निकट लंका में निर्माणाधीन हिम तेंदुआ संरक्षण केंद्र का भी निरीक्षण किया। कहा, केंद्र के निर्माण के लिए नींव तैयार करने का काम पूरा कर लिया गया है। इसके बाद अन्य निर्माण कार्य अधिक गति से होंगे। एक साल में यह केंद्र बनकर तैयार हो जाएगा। यह क्षेत्र की अद्भुत प्राकृतिक वातारण से पर्यटकों का परिचय कराएगा। कहा, गंगोत्री नेशनल पार्क एक दशक में ट्रांस हिमालयन नेशनल पार्क के रूप में उभरा है। वन्य जीव संस्थान की ओर से किए गए आंकलन में यहां हिम तेंदुओं की भी अच्छी संख्या दर्ज की गई है। कहा, एक दशक पूर्व तक पार्क के बारे में लोगों को पता भी नहीं था, लेकिन अब धीरे-धीरे पर्यटन बढ़ा है। नेलांग घाटी में सफारी के लिए पर्यटक पहुंच रहे हैं।

खटीमा में 111 फिट ऊंचे झंडे का किया अनावरण

खटीमा (उद संवाददाता)।ब्लॉक सभागार में 111 फिट के झंडे का अनावरण ब्लॉक प्रमुख द्वारा किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार खटीमा ब्लॉक परिसर के प्रांगण में देश को आजादी दिलाने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद भगत सिंह शहीद उधम सिंह डॉक्टर भीमराव अंबेडकर भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम महाराणा प्रताप नेताजी सुभाष चंद्र बोस पंडित गोविंद बल्लभ पंत आदि महान विभूतियों की मूर्तियों को प्रांगण में स्थापित किया गया एवं अनावरण किया गया। साथ ही 111 फीट ऊंचे तिरंगे को भी स्थापित किया गया। इस अवसर पर खटीमा क्षेत्र के विभिन्न कवियों द्वारा महान क्रांतिकारी शहीदों एवं उत्तराखंड की संस्कृति से जुड़ी कविताएं प्रस्तुत की गई, ब्लॉक प्रांगण में दशकों से खचाखच भरे पंडाल में खटीमा क्षेत्र के विभिन्न कवियों द्वारा प्रस्तुत की गई कविताओं का दर्शकों ने लुत्फ उठाया एवं तालिया के साथ कवियों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम का संचालन कुंडल मनोल ने एवं अध्यक्षता ब्लाक प्रमुख रंजीत सिंह नामधारी ने की। इस अवसर पर संबोधित करते हुए ब्लाक प्रमुख रंजीत सिंह नामधारी ने कहा कि महान क्रांतिकारियों की मूर्ति स्थापना एवं 111 फीट ऊंचे झंडे की स्थापना हेतु 18 लाख रुपए का धन अवमुक्त किया गया था। शहीद क्रांतिकारी एवं महान विभूतियों की मूर्ति स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य आने वाली युवा पीढ़ी को देश को आजादी दिलाने वाले देश को आगे ले जाने वाले ऐसे महान क्रांतिकारी की वीर गाथाओं से अवगत कराना एवं उनके बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से मूर्तियों की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि आज क्षेत्र पंचायत की अंतिम बैठक में ब्लॉक परिसर में सभी क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं प्रावधानों को भी सम्मानित किया गया एवं उनके लगातार 5 वर्ष तक विकास कार्यों में सहयोग देने के लिए धन्यवाद भी अपनी तरफ से प्रेषित करता हूं। उन्होंने कहा कि उनके पांच वर्षों के कार्यकाल मे पूरे ब्लॉक क्षेत्र में यात्रियों के लिए दो हजार कुर्सियां एक हजार स्ट्रीट लाइट लगभग दो हजार सोलर लाइट शहीद द्वार स्वगत द्वार हैंडपंप हर गांव में पुलिया निर्माण रोड नली निर्माण स्कूलों की बाउंड्री एवं बाड़ सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सहयोग से ब्लॉक खटीमा में करोड़ों की योजनाएं लागू की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमेश चंद्र जोशी ने कहा कि ब्लॉक प्रमुख रंजीत सिंह नामधारी का 5 वर्ष का कार्यकाल सराहनीय रहा। उन्होंने खटीमा क्षेत्र के प्रत्येक गांव में विकास की योजनाएं लागू की साथ ही साथ बिना किसी भेदभाव के सभी क्षेत्र पंचायत सदस्यों के साथ मिलकर खटीमा के विकास में योगदान दिया साथियों ने कहा कि खटीमा क्षेत्र के विकास के लिए लगातार 3 वर्षों से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा धन आवंटित किया जा रहा है जिससे खटीमा क्षेत्र के विकासमें किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न ना हो और आगे भी खटीमा क्षेत्र का विकास यूं ही अनवरत होता रहेगा जो छूते हुए कार्य हैं जल्द ही को संपन्न होंगे कार्यक्रम के अंत में सभी क्षेत्र पंचायत सदस्यों प्रधानों एवं ब्लॉक के कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से साधु सिंह नामधारी, भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष विमल मंडेला, भाजपा नगर मंडल महामंत्री मनोज वाधवा, जिला महामंत्री सतीश गोयल, ठाकुर राणा परिषद के अध्यक्ष दान सिंह राणा, गुरुद्वारा सिंह सभा के अध्यक्ष हरभजन सिंह खिंडा, सरदार अमरजीत सिंह, वीरेंद्र राणा, सतपाल सिंह, महिला नेत्री नीलू गुप्ता, विनीत सक्सेना, अंजू देवी, अनीता ज्याला, अशोक बत्रा, डॉ बाबूराम, अरोड़ा, संतोष अग्रवाल, राहुल सक्सेना, कमलजीत सिंह चौहान, नीरज रस्तोगी, पप्पू सक्सेना, आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महाराष्ट्र में भाजपा की ऐतिहासिक जीत भाजपाईयों ने मनाई खुशियां

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। महाराष्ट्र चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर विधायक शिव अरोरा ने बिगवाड़ा में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिष्ठान वितरण कर जश्न मनाया। इस अवसर पर विधायक शिव अरोरा ने कहा कि महाराष्ट्र के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी विजय है जिसने सारे राजनैतिक पंडितो के अनुमान को गलत सबित कर दिया और तीसरी बार लगातार रिकॉर्ड जीत दर्ज कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व पर मुहर लगाई। केदारनाथ उपचुनाव में भी भाजपा बड़े अंतर से जीत दर्ज करने में कामयाब रही है और उत्तर प्रदेश में भी भाजपा उपचुनाव में एक तरफा जीत दर्ज हुई है। विधायक अरोरा ने कह कि इस महाविजय से कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार हुआ है विपक्ष की इतनी करारी हार बताती है कि जनता का मन मोदी और भाजपा सरकार के विकास कार्यों पर मोहर है। केदारनाथ उपचुनाव में मिली जीत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विकास कार्यों को जनता ने विश्वास जताया है। अरोरा ने कहा कि आने वाले निकाय चुनाव में भी भाजपा उत्तराखंड में बेहतर प्रदर्शन कर शत प्रतिशत जीत सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ेगी ओर कार्यकताओं की मेहनत के दम पर हम निकाय चुनाव में भाजपा का परचम लहरायेंगे। इस दौरान भाजपा नेता के के दास, सुरेश कोली, उपेंद्र चौधरी, धीरेन्द्र मिश्रा, रामप्रकाश गुप्ता, किरन विर्क, एसपी यादव, सुधीर डागर, शंकर विश्वास, मयंक कक्कड़, वेद ठुकराल, राहुल, सौरभ, सचिन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पहाड़ों में पाला और मैदानी क्षेत्रों में कोहरा छाने के आसार

देहरादून। दून समेत प्रदेशभर में फिलहाल चटख धूप खिल रही है। जिससे दिन का पारा सामान्य से अधिक बना हुआ है। वहीं, न्यूनतम तापमान में गिरावट से ठिठुरन बढ़ रही है। प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में सुबह-शाम ठंड बढ़ गई है। हालांकि, अभी अगले सप्ताह से रात को कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार हैं।मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिन पहाड़ों में पाले और मैदानी क्षेत्रों में कोहरा छाने के आसार हैं। आगामी तीन दिन बाद से दून समेत ज्यादातर क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है।शनिवार को प्रदेशभर में शुष्क मौसम रहा। हालांकि, सुबह मैदानी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाया रहा। दून में भी धूप खिली रही, जिससे दिन में गर्माहट बनी रही। हालांकि, सुबह-शाम दून में भी अब ठंडक बढ़ने लगी है। दून का अधिकतम और न्यूनतम तापमान अभी सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क बना रहने का अनुमान है। बारिश न होने के कारण तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। अगले दो दिन हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर समेत आसपास के मैदानी क्षेत्रों में कहीं-कहीं घना कोहरा छा सकता है। देहरादून में भी सुबह धुंध व कुहासा छाने के आसार हैं। मंगलवार से ज्यादातर क्षेत्रों में पारे में गिरावट आने के आसार हैं। खासकर पर्वतीय क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड पड़ सकती है।

रेलवे अतिक्रमण संबंधी रिपोर्ट शासन को भेजी

हल्द्वानी। हल्द्वानी रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण के लिए रेलवे को करीब 30 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता होगी। 3800 मकान, सरकारी संस्थान और पांच हजार परिवार विस्तारीकरण की जद में आ रहे हैं। जिला प्रशासन ने सर्वे की रिपोर्ट शासन को भेज दी है। अब शासन को इनके विस्थापन की योजना तैयार करनी है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर रेलवे और जिला प्रशासन ने रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण को लेकर सर्वे किया। इस दौरान 5500 फार्म का वितरण किया गया। लोगों ने इन फॉर्म को भरकर जानकारी दी। साथ ही फॉर्म में अभिलेख लगाए। करीब दो महीने सर्वे और उसकी रिपोर्ट तैयार करने में प्रशासन को लग गए। 25 प्रशासनिक अधिकारी रिपोर्ट को फाइनल करने में लगे रहे। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार रेलवे जमीन पर अतिक्रमण संबंधी रिपोर्ट तैयार हो गई है। रिपोर्ट को शासन को भेजा गया है।

दो हाथियों के बीच हुआ खूनी संघर्ष, एक की मौत

कोटद्वार। उत्तराखंड में लैंसडौन वन प्रभाग की कोटद्वार रेंज के अंतर्गत पनियाली बीट के आरक्षित वन क्षेत्र में दो वयस्क हाथियों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। इस दौरान एक हाथी की मौत हो गई। लैंसडौन वन प्रभाग के डीएफओ आकाश गंगवार ने बताया कि पनियाली बीट में दो वयस्क नर हाथियों के बीच संघर्ष में एक हाथी की मौत हो गई है। पोस्टमार्टम के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

प्लेटफार्म के बीच फंसे यात्री को आपीएफ कर्मी ने बचाया

रूद्रपुर। रुद्रपुर में रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश में एक यात्री का पैर फिसल गया और वह ट्रेन व प्लेटफार्म के बीच फंस गए। इसी बीच वहां पर तैनात आरपीएफ कर्मी ने मुस्तैदी दिखाते हुए फंसे यात्री को बाहर खींच लिया और उनकी जान बच गई। रविवार को देहरादून एक्सप्रेस संख्या 14120 देहरादून से काठगोदाम जा रही थी। रुद्रपुर स्टेशन पर रुकने के बाद ट्रेन काठगोदाम के लिए रवाना हो रही थी। इसी बीच प्लेटफार्म पर सामान लेनेउतरे यात्री चलती ट्रेन में एसी कोच पर चढ़ने लगे। चलती ट्रेन में कोच का बंद दरवाजा खोलने की कोशिश में उनका पैर फिसल गया और वे ट्रेन व प्लेटफार्म के बीच में फंस गए। इसी बीच प्लेटफार्म पर ड्यूटी कर रहे आरपीएफ कांस्टेबल विकास ने मुस्तैदी दिखाते हुए फंसे गए यात्री को खींचकर बाहर निकाल दिया। इस दौरान यात्री के पैरों में खरोंचे आई। यात्री ने कांस्टेबल को जान बचाने के लिए आभार व्यक्त किया। आरपीएफ इंस्पेक्टर तरूण वर्मा ने बताया कि यात्री को उसी ट्रेन से गंतव्य के लिए रवाना किया गया था।

कोटाबाग में कार से टकराई बाइक, दो युवक गंभीर

कोटाबाग। बाजपुर से कोटाबाग घूमने आए दो युवकों की बाइक की कार से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों को सीएचसी कोटाबाग पहुंचाया, जहां से उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद एसटीएच रेफर कर दिया गया। बाजपुर निवासी वीरेंद्र शर्मा (22) पुत्र लक्ष्मी चंद्र शर्मा और रोहित प्रजापति (20) पुत्र राजू प्रजापति रविवार को बाइक (यूपी 21 सीआर 2124) से घूमने के लिए कोटाबाग आए हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उनकी बाइक की रफ्तार बहुत तेज थी। नवज्योति पब्लिक स्कूल के पास बाइक सामने से आ रही कार (यूके 19 टीए 1403) से टकरा गई। हादसे में दोनों युवकों के सिर में गंभीर चोट आई। दोनों घायलों को कोटाबाग सीएचसी में प्राथमिक इलाज के बाद एसटीएच रेफर कर दिया गया। सूचना पर दोनों युवकों के परिजन एसटीएच पहुंच गए थे।

क्वारब में बसों की आवाजाही नहीं होने से यात्री हो रहे परेशान

नैनीताल। भवाली-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर क्वारब की पहाड़ी से गिरता मलबा यात्रियों के लिए मुसीबतें पैदा कर रहा है। क्वारब से नौवें दिन भी बसों की आवाजाही नहीं हो पाई। इससे यात्रियों को छोटे वाहनों में अतिरिक्त किराया देकर अल्मोड़ा तक आवाजाही करने को मजबूर होना पड़ रहा है, लेकिन सड़क पर मलबा गिरने और जमीन के धंसाव के चलते बड़े वाहनों की आवाजाही सुचारु नहीं हो पा रही है। वहीं अल्मोड़ा हाईवे किनारे होटल, रेस्टोरेंट संचालकों के साथ स्थानीय व्यापारियों का कारोबार प्रभावित होने से उन्हें आर्थिक रूप से नुकसान पहुंच रहा है। यात्रियों को रानीखेत घूमकर अल्मोड़ा जाने के लिए अतिरिक्त सफर तय करना पड़ रहा है। हालांकि छोटे वाहनों की आवाजाही लगातार सुचारु है। एनएच की ओर से मलबा हटाने के लिए जेसीबी की मदद ली जा रही है।

संभल में बवाल के बाद हल्द्वानी में चौकसी बढ़ी

हल्द्वानी। संभल में मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद हल्द्वानी पुलिस सर्तक हो गई है। पुलिस मुस्लिम बहुल क्षेत्र पर विशेष नजर रख रही है। एआईयू, सिविल पुलिस क्षेत्र में घूम रही है। मुखबिर को भी सक्रिय किया गया है। बस स्टेशन और रेलवे स्टेशन पर भी निगाह रखी जा रही है।रविवार को उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मस्जिद के सर्वे के दौरान बवाल हो गया। हिंसा के दौरान तीन लोगों की मौत हो गई है। घटना के बाद जिला पुलिस ने अपना तंत्र सक्रिय कर दिया है। हल्द्वानी का बनभूलपुरा क्षेत्र संवेदनशील है। इसे देखते हुए पुलिस विशेष निगाह रख रही है। सीओ नितिन लोहनी ने बताया कि मामला संज्ञान में आने के बाद ही सभी थाना-चौकियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। सीमा पर वाहनों की चेकिंग की जा रही है। बाहरी राज्य से आने-जाने वाले सभी लोगों की निगरानी की जा रही है।

विकास के प्रति समर्पित रहे हैं विधायक अरोरा: गौरी

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। निवर्तमान पार्षद और भाजपा नेता सुरेश गौरी ने कहा कि ट्रांजिट कैम्प वार्ड एक सहित संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए प्रदेश की भाजपा सरकार एवं स्थानीय विधायक सदैव समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ विकास की सोच रखती है और समाज के सभी लोगों को साथ लेकर निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर रहती है। जिसका लाभ समाज के अंतिम छोर तक बैठे हर व्यक्ति को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही जनता की सच्ची हितैषी है। जनता से किया हर वायदा हमेशा पूरा करती है। श्री गौरी ने कहा कि पिछले कई वर्षों से उनके द्वारा यह प्रयास किया जा रहा था कि बगवाड़ा से लेकर दक्ष चौराहे और दक्ष चराहे से तीनपानी डाम तक सड़क का निर्माण किया जाए। इसके लिए उन्होंने निगम बोर्ड की बैठक में आवाज उठाने के साथ लिखित प्रस्ताव भी दिया था। इस मार्ग पर विभिन्न स्कूल,

आवासीय कॉलोनिया, स्कूल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान हैं। लेकिन सड़क निर्माण न होने के कारण लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता था। विशेषकर वर्षा के दौरान जलभराव से लोगों की मुश्किलें काफी बढ़ जाती थीं।जिसको ध्यान में रखते हुए अब विधायक शिव अरोरा ने इस मार्ग निर्माण का शिलान्यास किया है। जिसका लाभ यहां की जनता को मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य लगातार प्रगति कर रहा है और विधायक शिव अरोरा विकास के इस पथ के सारथी बने हुए हैं जो रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र को लगातार अग्रणी बना रहे हैं। श्री गौरी ने इस मार्ग के निर्माण कार्य के शुभारंभ होने पर मुख्यमंत्री धामी और विधायक अरोरा तथा भाजपा प्रदेश मंत्री विकास शर्मा का आभार जताया है। उन्होंने आशा जताई है कि विधायक शिव अरोरा की नेतृत्व में संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र का चहुंमुखी विकास होगा और जन समस्याओं का समाधान होगा।

पत्नी पर लगाया बेटे का खतना करने का आरोप

रुद्रपुर। एक युवक ने दूसरे समुदाय से ताल्लुक रखने वाली पत्नी पर बेटे का खतना कराने व उसका जबरन धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि पत्नी घर पर रखी नकदी और दस्तावेज लेकर अपने समुदाय के कथित प्रेमी के साथ चली गई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया है। यूपी के बलरामपुर जिले के ग्राम अमराहावापुर छिट्टन निवासी अमित सिंह ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि 10 साल पहले उसने एक विशेष समुदाय की सदरून निशा निवासी-ग्राम उरावा, थाना गोला, जिला गोरखपुर से प्रेम विवाह किया था। इसके बाद वह पत्नी को लेकर लुधियाना चला गया था। चार साल पहले वह रोजी रोटी की तलाश में रुद्रपुर आ गया था। इस दौरान उनका बेटा सचिन पैदा हुआ था और वर्तमान में बेटे की उम्र आठ साल दो महीना है। रुद्रपुर आने के बाद एक साजिश के तहत उसकी पत्नी को एक मुस्लिम व्यक्ति निजामुद्दीन निवासी प्रीत विहार कॉलोनी, फाजलपुर महरौला से मिलवाया गया था। आरोप है कि दो महीने पहले पत्नी ने उस पर मुस्लिम धर्म अपनाने का दबाव डाला था। ऐसा न करने पर वह विवाद करने लगी थी। वह परिवार की खातिर मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए तैयार हो गया था। इसके बाद पत्नी ने उसे प्रतिबंधित मांस खाने को कहा तो उसने विरोध किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार एक महीने पहले पत्नी बिना बताए बेटे को लेकर घर से गायब हो गई और आरोपी निजामुद्दीन के साथ रहने लगी थी। निजामुद्दीन ने उसके बेटे की मुसलमानी (खतना) भी करा दी। एक हफ्ते पहले पत्नी घर लौटी थी और माफी मांगकर उनके साथ रहने लगी थी। बीते 15 नवंबर को उसकी पत्नी पैतृक संपत्ति बेचने के बाद घर पर रखे 70 हजार रुपये, दस्तावेज और कपड़े लेकर फरार हो गई। उसने रंपुरा चौकी में तहरीर दी, मगर कोई कोई कार्रवाई नहीं हुई। कहा कि निजामुद्दीन फोन पर धमका रहा है और उसकी पत्नी को वापस करने से इन्कार कर रहा है। निजामुद्दीन ने कानूनी कार्रवाई करने पर उसकी हत्या कराने की धमकी दी थी और एक हफ्ते में रुद्रपुर नहीं छोड़ने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी है। एसपी सिटी मनोज कत्याल के अनुसार अभियुक्त सदरून निशा को हिरासत में लिया गया है। उसे सोमवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा। दूसरे अभियुक्त निजामुद्दीन की तलाश की जा रही है।

सुपरवाईजर से मारपीट कर स्कूटी लूटी

रूद्रपुर (उद संवाददाजा)। विगत रात्रि अज्ञात बदमाशों ने घर से फैक्ट्री जा रहे सुपरवाईजर से मारपीट कर उनकी स्कूटी लूट ली मामले की रपट दर्ज करा दी गई है। दर्ज रपट में रणधीर कुमार पुत्र रविन्द्र नाथ राम मूल निवासी गांव ख़ मलिकपुरा पोस्ट मूर्त हजीपुर, थाना भांवर कोल, तहसील मोहम्मदाबाद जिला गाजीपुर उप्र हाल निवार्सी जेपी नगर द्वितीय, जनपथ रोड फुलसुंगा ने कहा है कि वह वोल्टास कम्पनी मे कान्ट्रेक्ट सुपरवाईजर के पद पर कार्यरत है । 23 नवम्बर की उरात्रि वह अपने कमरे से कम्पनी वोल्टास मे कार्य करने के लिए स्कूटी संख्या यूके06बीएच 5877 पर सवार होकर निकला था । मार्ग में महालक्ष्मी कम्पनी के नजदीक दो अज्ञात व्यक्तियों ने उसके साथ मारपीट किी और उसकी स्कूटी को लूट लिया।

पुलिस ने सट्टेबाज को किया गिरफ्तार

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। पुलिस ने सट्टेबाजी में एक को गिरफ्तार किया है। राजपुरा पुलिस ने चेकिंग के दौरान कुष्ठ आश्रम राजपुरा गौला गेट के पास से राजेंद्र आर्य निवासी राजपुरा को सट्टेकी पर्ची सहित 1250 रुपए की नगदी के साथ पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी पर जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने सट्टा लगाकर खर्चा चलाने की बात कही।

केंटर चालक के खिलाफ रपट दर्ज

रूद्रपुर (उद संवाददाजा)। बीते दिनों सड़क दुर्घटना में मारे गये युवक के मामले में आरोपी केंटर चालक के विरूद्ध परिजनों ने मुकदमा दर्ज करा दिया है। दर्ज रपट में कुसुम पत्नी स्व. शिवपद निवासी हनुमान मंदिर शिमला बहादुर, ट्रांजिट कैम्प ने कहा है कि 17 नवम्बर को सुबह 10 बजे वोल्टाज चौराहे पर उसका पुत्र धर्मेन्द्र खड़ा हुआ था। तभी अचानक कैन्टर संख्या डीएल 1एलएई 8149 के चालक ने पुत्र धर्मन्द्र को टक्कर मार दी। उपचार के दौरान पुत्र धर्मेन्द्र को सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय हल्द्वानी मे मृत्यु हो गयी । पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी केंटर चालक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरुनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षो का अनुभवः-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरूष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले) लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970
DR. ASHVINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं0 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रुद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखंड

उत्तराखंड के उत्पादों की बढ़ती जा रही है डिमांड:धामी

नई दिल्ली में आयोजित 43वाँ भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में पहुंचे सीएम धामी व केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा

नई दिल्ली(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गत दिवस प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित 43वाँ भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले 'उत्तराखण्ड दिवस समारोह' में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड के विभिन्न उत्पादों पर आधारित स्टालों का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड के लोग देश विदेश, कहीं भी चले जाएं, वो अपनी संस्कृति लोक परंपरा, खानपान व अपनत्व की भावना को हमेशा जीवित रखते हैं। उनके घरों पर ऐपण और गंगा दशहरा हमेशा देखने को मिलता है। उन्होंने कहा यह अंतर्राष्ट्रीय मेला हमें अपनी संस्कृति हस्तशिल्प और समृद्ध विरासत को वैश्विक मंच पर लाने और प्रस्तुत करने का मौका देती है। मेले में लगे विभिन्न स्टालों में राज्य के बेहतरीन उत्पादों को लाया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड प्रवासी राज्य के विकास में अपना योगदान दे सकें इसके लिए उत्तराखण्ड प्रवासी परिषद के गठन का भी निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रवासियों से

उत्तराखण्ड के विकास में सहभागी बनने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है, जिस पर हमारा देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शी सोच से देश नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में देश हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसी अनेकों योजनाओं ने भारत को स्टार्टअप के हब के रूप में स्थापित किया है, जिससे देश में रोजगार व स्वरोजगार पैदा हो रहे हैं। आज भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड स्थापना के 24 वर्ष पूर्ण कर चुका है। अब राज्य रजत जयंती में प्रवेश कर चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने केदारनाथ की भूमि से 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का दशक बताया था। राज्य सरकार प्रधानमंत्री जी के उन शब्दों को धरातल में उतार रही है। हमारा राज्य हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन के निर्माण से पहाड़ों में रेल पहुंचने का सपना पूरा हो रहा है।उन्होंने कहा कि उड़ान योजना के तहत राज्य के अनेक स्थलों पर हेली सेवा प्रारंभ की जा रही है। हमारा राज्य सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे हर क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य कर रहा है। प्रदेश के मेडिकल कॉलेज के साथ 20 मॉडल कॉलेज की स्थापना की जा रही है। ऊधम सिंह नगर में एम्स का सैटेलाइट सेंटर भी बनाया जा रहा है। सचिव उद्योग श्री विनय शंकर पांडेय ने बताया कि भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के बीते 7 दिनों में 1 करोड़ 16 लाख के उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों की बिक्री हुई है। इसके साथ 2 करोड़ के ऑर्डर भी हस्त शिल्पकारों को मिले हैं। देश में राज्य के उत्पादों की डिमांड लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखण्ड राज्य को पर्यटन, कृषि , उद्योग, ग्रामीण विकास को सशक्त बनाने के साथ-साथ सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण भी किया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा, पूर्व मुख्यमंत्री श्री तीरथ सिंह रावत, महानिदेशक उद्योग श्री प्रतीक जैन, स्थानीय आयुक्त अजय मिश्रा, निदेशक संस्कृति विभाग श्रीमती बीना भट्ट एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

सरस आजीविका मेले की तैयारियों को लेकर दिए निर्देश

नैनीताल(उद संवाददाता)। आगामी 25 दिसंबर से 3 जनवरी 2025 तक हल्द्वानी एम.बी.इण्टर कालेज ग्राउंड में होने वाले सरस आजीविका मेले की तैयारियां को लेकर एक आवश्यक बैठक मुख्य विकास अधिकारी अशोक कुमार पाण्डे की अध्यक्षता में जिला कॉपरेटिव बैंक सभागार हल्द्वानी में सम्पन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार और उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, ग्राम्य विकास विभाग उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में प्रस्तावित इस सरस आजीविका मेले की तैयारियां के संबंध में विचार विमर्श किया गया।बैठक में अवगत कराया कि एम.बी.इण्टर कालेज ग्राउंड हल्द्वानी में आयोजित मेले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें विभिन्न राज्यों से महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा प्रतिभाग कर अपने उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। प्रतिदिन पूर्वाह्न11बजे से अपराह्न 2 बजे तक विभागीय मीट एवं योजनाएं प्रदर्शन तथा अपराह्न 2 से 5 बजे

तक विद्यालयी विभिन्न प्रतियोगिताएं तथा सांय 5 बजे से 8 बजे तक सांस्कृतिक लोक कलाकार तथा प्रयोजक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। इस संबंध में विभिन्न विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागों को यथासमय सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले के सफल आयोजन हेतु तैयारियों को लेकर प्रत्येक सप्ताह बैठक आहूत की जायेगी। बैठक में उमाकांत पंत खण्ड विकास अधिकारी रामनगर उमाकांत पंत, सहायक विकास अधिकारी सुरेश अधिकारी, तनवीर असगर, खुशाल मर्तोलिया सुनील चन्याल, लोक कलाकार गोविन्द दिगारी, मोहन पाण्डे ,डा विपिन विश्वकर्मा, जगदीश सिंह बिष्ट, ललित मोहन पाण्डे, प्रदीप उपाध्याय, मीनाक्षी कीर्ति आदि उपस्थित रहे।

सीएम धामी से मिले अभिनेता विक्रांत मैसी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को हाथीबड़कला स्थित मॉल में मंत्रियों व विधायकों के साथ साबरमती रिपोर्ट फिल्म देखी। यह फिल्म 27 फरवरी 2002 को गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगने की घटना पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में साबरमती रिपोर्ट फिल्म को टैक्स फ्री किया जाएगा। इससे पहले सीएम आवास में साबरमती रिपोर्ट फिल्म के

अभिनेता विक्रांत मैसी ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की। फिल्म देखने वालों में कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, गणेश जोशी, सुबोध उनियाल, राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, लोकसभा सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, विधायक खजान दास, उमेश शर्मा काऊ, सहदेव सिंह पुण्डीर, सविता कपूर मौजूद थे।

खनन कारोबारी से मांगी दो लाख की रंगदारी

आरोपी के खिलाफ दी तहरीर, सितारगंज के युवक को रकम पहुंचाने के लिए कहा

बाजपुर(उद संवाददाता)। विदेशी नंबरों से अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर कबड्डी खिलाड़ी एवं खनन कारोबारी से दो लाख रुपये की रंगदारी मांगी है। इससे गांव में खलबली मची है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की। गांव फौजी कॉलोनी निवासी कबड्डी खिलाड़ी हरजिंदर सिंह उर्फ मोनू संधू ने रविवार को कोतवाली में तहरीर देकर फोन पर एक अज्ञात व्यक्ति पर दो लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। बताया कि नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी है। हरजिंदर सिंह खनन का कारोबारी भी है। रविवार को पीड़ित ने अपने समर्थकों के साथ कोतवाली पहुंचा। कोतवाल नरेश चौहान से मुलाकात की और तहरीर सौंपी। पीड़ित ने बताया कि बीते 22 नवंबर को उसके मोबाइल पर अज्ञात विदेशी नंबरों से किसी अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। मोबाइल पर बातचीत करने वाले आरोपी ने सितारगंज निवासी एक युवक को दो लाख रुपये देने की बात कही। रकम नहीं देने पर जाने से मारने की धमकी दी है। पीड़ित ने बताया कि फोन पर मांगी फिरौती मांगने वाले अज्ञात व्यक्ति ने सितारगंज निवासी जिस युवक को रकम पहुंचाने के लिए कहा गया है, उस युवक पर कई मुकदमे और गैंगस्टर लगी है। रंगदारी की धमकी मिलने से मोनू संधू का परिवार भी डर में है। एसपी अभय सिंह ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। मामले को गंभीरता से लेकर जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जीटीसीसी ने आईओए को सौंपी निरीक्षण रिपोर्ट

देहरादून। प्रदेश में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों को लेकर जीटीसीसी ने रविवार को तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे की निरीक्षण रिपोर्ट नई दिल्ली में भारतीय ओलंपिक संघ के साथ हुई बैठक में दाखिल कर दी। नई दिल्ली में चार घंटे चली बैठक में जीटीसीसी ने दौरे को लेकर अपने सुझाव और जानकारी साझा की। उत्तराखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डीके सिंह ने भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा को उत्तराखंड दौरे के लिए आमंत्रित किया। जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। उम्मीद है कि 14 दिसंबर को जब जीटीसीसी फिर प्रदेश का दौरा करेगी तो पीटी ऊषा कमेटी में साथ आएंगी। बैठक में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने जीटीसीसी से खेलों की तैयारी के संबंध में जानकारी ली। संयुक्त निदेशक अजय अग्रवाल के मुताबिक, जीटीसीसी ने आईओए को रिपोर्ट सौंपी है। यह रिपोर्ट अभी उत्तराखंड खेल सचिवालय को नहीं मिली। राष्ट्रीय खेलों की तैयारियां जोरों पर हैं। इस दिशा में हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। यह कहना है विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा का। राष्ट्रीय खेल सचिवालय की ओर से सुनिश्चित किया जा रहा कि राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए सभी जरूरी सुविधाएं और ढांचागत व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी हो जाएं। सिन्हा ने कहा, आयोजन से जुड़े अफसरों, कर्मियों को जरूरी परिस्थितियों में ही अवकाश लेने की अनुमति दी जाएगी। कहा, किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा ने कहा, राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए प्रदेश के कई जिलों में स्थानों को चिह्नित किया गया है। ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से इनका नियमित निरीक्षण किया जा रहा है।

बगवाड़ा-दक्ष मार्ग के निर्माण का विधायक ने किया शुभारंभ

3-30 किलोमीटर हॉटमिक्स मार्ग के निर्माण से हजारों परिवारों को मिलेगी राहत

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। बगवाड़ा से दक्ष की ओर जाने वाले मार्ग के निर्माण कार्य का विधायक शिव अरोरा ने नारियल फोड़कर शुभारम्भ किया। 3.30 किलोमीटर लम्बे मार्ग का निर्माण 2.81 करोड़ की लागत से किया जायेगा। हॉट मिक्स रोड के साथ ही दोनों ओर इंटरलॉकिंग टाइल भी लगायी जायेगी। निर्माण कार्य के शुभारम्भ अवसर पर बिगवाड़ा देव होम्स मोड़ पर पहुंचते ही लोगों ने ढ़ोल नगाड़ो आतिशबाजी फूलमालाओ के साथ विधायक का स्वागत किया।इस अवसर पर विधायक अरोरा ने कहा कि डेढ़ दशक बाद इस रोड के निर्माण की शुरुआत हमारे द्वारा की गयी है, इस निर्माण की खुशी की चमक जो आमजन की आँखो में दिख रही है ऐसा संतोष मैंने अपने राजनैतिक जीवन में बहुत कम देखा है। स्वागत से गदगद विधायक अरोरा ने कहा कि इस मार्ग के निर्माण की बहुत बड़ी मांग थी जो साकार हों रही है यह काफी बड़ा मार्ग है इसका निर्माण कार्य लगभग तीन से चार महीने में पूर्ण होने की सम्भवना है। विधायक ने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में ढाई वर्ष के कार्यकाल में हमने ऐसे ऐसे मार्गो को अमली जामा पहनाया जो बहुत लम्बे अरसे नहीं बनी। अब जनता को विश्वास होने लगा है रुद्रपुर में विधायक शिव अरोड़ा जो बोलता है वह करता है। इसके कई उदाहरण धरातल पर आज नजर आ रहे हैं। इससे पूर्व सरकारी विभागों में जनप्रतिनिधि धरना देते थे और विकास कार्य से रुद्रपुर अछूता नजर आता था। अब रुद्रपुर में एक बार फिर से विकास का पहिया तेजी से दौड़ रहा है। विधायक ने कहा कि रुद्रपुर को एक रोल मॉडल के रूप में हम विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे है जिसमें काफी कार्य धराल पर नजर आने लागे है ओर काफी आने वाले समय आएंगे। इस दौरान बिगवाड़ा दक्ष रोड पर देव होम्स, रॉयल रेजिडेंसी, कौशल्या वाटिका,कौशल्या फेस 2, दक्ष चौक पर लोगों ने स्वागत कार्यक्रम आयोजित किये। इस दौरान प्रदेश मंत्री प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, सुरेश कोली, तरुण दत्ता, धीरेन्द्र मिश्रा, उपेंद्र चौधरी ,वेद ठुकराल, रामप्रकाश गुप्ता, किरन विर्क,अनमोल विर्क, एसपी सिंह, एसपी यादव, प्रमोद शर्मा, प्रीत ग्रोवर, मोर सिंह, सुधीर डागर, शांतनु सिंघल, सचिन शर्मा, के के दास गुन्नू चौधरी, स्वाति शर्मा,शालनी बोरा, माहि सकलानी, अमदीप विर्क, जीतेन्द्र संधू,बिट्टू चौहान ,संदीप राव, मनोज छाबड़ा, मनोज मदान, के पी राठी,सुरेंद्र गंगवार,मुरली यादव, मयंक कक्कड़, शंकर विश्वास, दुष्यंत खेतवाल, धर्म सिंह कोली,मदन दिवाकर, मानव कक्कड़, पूरन बोरा, अशोक विश्वास, अजय यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस अधिकारी मुकेश पाल ने लैटिन अमेरिकन गेम्स में जीता गोल्ड मैडल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। लैटिन अमेरिकन गेम्स 2024 कोलंबिया में आयोजित 17 से 23 नवंबर तक भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे उत्तराखंड पुलिस के जनपद ऊधम सिंह नगर में तैनात ऑफिसर मुकेश पाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को वेट लिफ्टिंग में स्वर्ण पदक दिला कर अमेरिका कोलंबिया की धरती पर भारतीय राष्ट्रीय गान के साथ पूरे विश्व में भारत की सोने की चमक फैला दी। पूरे विश्व के लिफ्टो की लिफ्टिंग के आधार पर मुकेश पॉल को स्ट्रांग मैन ऑफ वर्ल्ड के प्रथम रनर अप के खिताब से भी नवाजा गया। जो कि भारतीय इतिहास में यह कारनामा करने वाले अकेले भारतीय पुलिस ऑफिसर बन गए हैं। सभी लोग उनके भारत आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे है। वेट लिफ्टर मुकेश पाल ने अपनी इस उपलब्धि से कोलंबिया अमेरिका में धमाल मचा दिया है। जिस पर सभी भारतीय गर्व कर रहे हैं। मुकेश ने लैटिन अमेरिकन गेम्स 2024 वेट लिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीतकर उत्तराखंड पुलिस का मन भी बढ़ाया है।

मानसिक रूप से बीमार युवक ने दरोगा समेत आधा दर्जन ग्रामीणों को किया घायल

पुलिस और ग्रामीणों ने युवक को बमुश्किल किया काबू

दिनेशपुर(उद संवाददाता)। मानसिक रूप से बीमार युवक ने एक दरोगा समेत आधा दर्जन ग्रामीणों पर पाटल से हमला कर घायल कर दिया। बमुश्किल पुलिस तथा ग्रामीणों ने युवक को जिला चिकित्सालय पहुंचाया। हमले में एक दरोगा और दो पुलिस कांस्टेबल समेत आधा दर्जन ग्रामीण घायल हैं। अमृत नगर नंबर 2 निवासी तपन गाईन बीते कुछ दिनों से मानसिक रूप से बीमार चल रहा हैं। उसके माता-पिता काम के लिए काशीपुर गए हुए थे। रविवार देर शाम करीब 8:30 बजे ग्राम प्रधान राजीव कुमार विश्वास ने पुलिस को सूचना दी कि गांव के एक मानसिक रूप से बीमार युवक पाटल से गांव वालों पर हमला कर रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम युवक के घर पहुंची और दरवाजा खोलने की कोशिश की लेकिन युवक ने दरवाजा नहीं खोला। युवक के एक रिश्तेदार और पुलिस टीम ने जबरन दरवाजा खोला। दरवाजा खोलते ही युवक ने पाटल से हमला कर दिया। इस दौरान थाने के एक दरोगा संतोष उप्रेती तथा अन्य दो कांस्टेबल और आधा दर्जन ग्रामीण घायल हो गए। जिसमें एक ग्रामीण के सिर पर लगभग 10 टांके लगे हैं। ग्रामीण तथा पुलिस की टीम ने बमुश्किल युवक को काबू कर जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जिला अस्पताल में उप निरीक्षक तथा अन्य ग्रामीण का भी उपचार चल रहा है।

मामले की हो रही जांच: एसपी

दिनेशपुर। मामले को लेकर एसपी सिटी मनोज कत्याल ने कहा कि मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक के द्वारा पुलिस कर्मी तथा अन्य ग्रामीण पर हमला करने के मामले में दिनेशपुर पुलिस जांच कर रही है। फिलहाल किसी ग्रामीण की तरफ से युवक के खिलाफ कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है।

ग्रीन वर्ल्ड पब्लिक स्कूल की कोमल ने किया नाम रोशन

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)।स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में आयोजित 68वें राष्ट्रीय स्कूल गेम्स 2024 में खेलविधा बास्केटबॉल प्रतियोगिता, राजनन्द गांव,छत्तीसगढ़ में 18 नवंबर से 22 नवंबर तक अयोजित की गई जिसमें आयुवर्ग 14 में ग्रीन वर्ल्ड पब्लिक स्कूल शक्तिफार्म में कक्षा 7 में अध्ययनरत कोमल कौर पुत्री बलदेव सिंह (पिपलिया) ने उत्तराखंड राज्य की और से प्रतिभाग कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया।इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन नवीन चंद्र जोशी ने कोमल को शुभकामना देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सदानंद विश्वास ,डायरेक्टर प्रदीप रौतेला व उपप्रधानाचार्य दीपक गुरुरानी सहित समस्त स्टाफ ने कोमल को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनां दी।

पुलिस ने लापता दो बच्चों को परिजनों से मिलवाया

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)। गोविंद नगर निवासी एक महिला जो कि मानसिक रूप से कमजोर है,शनिवार को महिला अपने दोनों बच्चों को लेकर दिन के करीब 12 बजे घर से चली गयी थी। वापस अकेली घर पहुंची घरवालों ने जब बच्चों के बारे मे पूछा कि बच्चे कहा हैं इसपर महिला कुछ भी सटीक जानकारी नही दे पा रही थी। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन की गयी पर बच्चों की कोई जानकारी नही मिली। रविवार सुबह महिला परिजनों संग पुलिस चौकी शक्तिफार्म पहुंची और परिजनों व महिला द्वारा घटित सारी बातों की जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुये चौकी प्रभारी प्रकाश भट्ट ने महिला को बुलाया और सभी रिश्तेदारो की जानकारी ली,साथ ही आस पास के थाना चौकी मे भी जानकारी ली। पुलिस के काफी मशक्कत के बाद महिला के नानकमत्ता के बंगाली कॉलोनी स्थित रिश्तेदारो से जानकारी लेंने पर उन्होंने बताया कि महिला दोनो बच्चों को छोड़कर शनिवार को चली गयी थी। चौकी प्रभारी के निर्देश पर बच्चों के पिता के साथ ननकमत्ता से बच्चों को सकुशल बरामद किया गया और परिजनों को सौप दिया गया। बच्चों को देख परिजनों के चेहरे खिल उठे। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक प्रकाश भट्ट,हेड कास्टेबल कुंदन बोरा,कॉस्टेबल हरिश कबड़वाल शामिल थे। इस उपलब्धि पर प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष रविन्द्र अग्रवाल,कोषाध्यक्ष विक्की मंडल ने मित्र पुलिस का आभार जताया।

11.62 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। बनभूलपुरा थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक नशा तस्कर को 11.62 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार बनभूलपुरा थाना की पुलिस टीम में शामिल उनि अनिल कुमार, उनि निधि शर्मा, का. सुनील कुमार, भूपेंद्र जेष्ठा व लक्ष्मण राम क्षेत्र में चौकिंग कर रहे थे। इसी दौरान गफूर बस्ती बाबर की दुकान के पास रेलवे पटरी के समीप एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूमता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को देखकर जब उसने भागने की कोशिश की तो संदेह होने पर पुलिस कर्मियों ने पीछा कर कुछ दूरी पर उसे पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता मो. नाजिम पुत्र सुल्तान अहमद निवासी गफूर बस्ती बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से कुल 11.62 ग्राम स्मैक बरामद हुई। आवश्यक पूछताछ करने के बाद पुलिस ने बरामद स्मैक कब्जे में लेकर नाजिम को गिरफ्तार कर उस पर मुकदमा दर्ज कर लिया।

शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म

बाजपुर(उद संवाददाता)। प्रेम प्रसंग के चलते शादी का झांसा देकर पांच साल शारीरिक संबंध बनाने और मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक और उसके परिजनों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी युवक की 30 नवंबर को दूसरी जगह शादी तय होने से आहत युवती ने रविवार को हाथ की नस काट कर खुदकुशी की कोशिश की। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों की मदद से युवती को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के बाद युवती को घर भेज दिया गया। क्षेत्र की एक युवती ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उसके पड़ोस के रहने वाला एक युवक शादी का झांसा देकर उसके साथ पांच साल तक शारीरिक संबंध बनाता रहा। वह दो माह की गर्भवती हो गई। आरोपी ने जबरदस्ती गर्भपात कराया। पीड़िता ने बताया कि दो नवंबर 24 को दुबई संयुक्त अरब अमीरात में टूरिज्म वीजा पर गई थी। आरोपी युवक ने फोन करके शादी करने का आग्रह किया। 19 नवंबर 24 को दुबई से वह भारत लौट आई। 22 नवंबर 24 को रात 11 बजे आरोपी युवक का पता लेने के लिए उसके घर गई। घर पर युवक की माता सहित अन्य परिजनों ने उसके साथ गालीगलौज, मारपीट की और शादी करने से मना कर दिया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी युवक ने उसके आपत्तिजनक फोटो खींच रखे हैं। आरोपी उसे ब्लैकमेल करता है। पीड़िता की माता का आरोप है कि उसने स्थानीय पुलिस को तहरीर दी थी लेकिन गांव के एक प्रभावशाली व्यक्ति के दबाव में कोई सुनवाई नहीं हुई। आरोपी युवक के परिजन उसकी शादी कहीं और से कर रहे हैं। 30 नवंबर को शादी तय की गई। कार्रवाई के लिए वह कोतवाली आई थी कि उसकी बेटी ने नस काट कर खुदकुशी की कोशिश की।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के लिए हुए चुनावों के साथ तेरह राज्यों की छियालीस सीटों पर उपचुनावों के नतीजे यही बताते हैं कि सभी जगहों पर कोई एक ही हवा नहीं बह रही थी और अलग-अलग राजनीतिक दलों को कामयाबी मिली है। महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों पर सबकी नजर थी, जहां के नतीजों को राष्ट्रीय राजनीति पर असर डालने वाले एक प्रमुख कारक के तौर पर देखा जा रहा है। एक ओर महाराष्ट्र में जहां सत्ता में रही महायुति गठबंधन को अप्रत्याशित कामयाबी मिली, वहीं झारखंड में भी झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले सत्ताधारी इंडिया गठबंधन को अच्छी जीत मिली। इससे यही साफ होता है कि दोनों राज्यों में चुनाव प्रचार के दौरान कई जगहों पर मतदान पर सत्ता-विरोधी लहर का असर पड़ने की जो आशंका जाहिर की जा रही थी, वह निराधार निकली। महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन और खासतौर पर भाजपा को जैसी सफलता मिली है, उसकी उम्मीद शायद राजग के नेताओं को भी नहीं रही होगी। दरअसल, महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी गठबंधन इस बात को लेकर आश्वस्त था कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने जिस तरह मूल पार्टी को तोड़ कर भाजपा के साथ सरकार बनाई थी और उसके बाद राज्य में उसका जो प्रदर्शन रहा, उसके मद्देनजर मतदाता अलग विकल्प चुनेंगे। मगर चुनाव के दौरान महायुति गठबंधन से जुड़े दल और खासतौर पर भाजपा की ओर से जिस तरह का आक्रामक प्रचार अभियान चलाया गया, उसने आम जनता को शायद ज्यादा प्रभावित किया। हालांकि 'इंडिया' के कुछ नेताओं की ओर से मतदान और गिनती से संबंधित सवाल उठाए गए, लेकिन इस पर स्पष्टता कायम करना चुनाव आयोग का काम है। अब चुनाव के नतीजों के बाद महाराष्ट्र में जैसे समीकरण बनते दिख रहे हैं, उसमें महायुति के सामने एक बड़ी चुनौती मुख्यमंत्री पद के लिए चुनाव की होगी। वहीं आने वाले दिनों में शरद पवार और उद्धव ठाकरे के सामने अपनी प्रासंगिकता को फिर से कायम करने की चुनौतियां बढ़ सकती हैं। झारखंड में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर से पूरा प्रयास किया गया कि चुनाव में झामुमो सरकार के खिलाफ सत्ता-विरोधी लहर बनाई जा सके, लेकिन उसमें उसे नाकामी ही मिली। झामुमो और सहयोगी दलों ने पहले के मुकाबले ज्यादा मजबूत जीत दर्ज की है। ऐसा लगता है कि झारखंड में हेमंत सोरेन को एक मामले में जेल जाने के बावजूद अपने कार्यकाल में शुरू कुछ योजनाओं और अन्य मुद्दों पर वहां के मतदाताओं ने अपना स्पष्ट समर्थन दिया। जाहिर है, हेमंत सोरेन अब ज्यादा सशक्त होकर अपनी अगली सरकार चलाने में खुद को शायद अधिक सहज महसूस करें। जहां तक उपचुनावों का सवाल है तो तेरह अन्य राज्यों में छियालीस सीटों पर मतदान के नतीजे मिले-जुले आए हैं। मसलन, बिहार में चारों सीटों पर राजग के उम्मीदवार जीते, वहीं पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का स्पष्ट दबदबा रहा। उत्तर प्रदेश में नौ सीटों के नतीजे मिले-जुले होने के बावजूद वहां के कुंदरकी सीट के परिणाम ने सबको चौंकाया, जहां मुसलिम बहुल क्षेत्र में भाजपा के प्रत्याशी को बड़ी जीत मिली। एक अहम नतीजा केरल के वायनाड लोकसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव का रहा, जहां कांग्रेस से प्रियंका गांधी ने चार लाख से ज्यादा मतों से जीत दर्ज की। ताजा नतीजे यह संकेत देते हैं कि आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजनीति पर इसका खासा असर पड़ेगा और अन्य दलों से सहयोग के सवाल पर भाजपा अपनी दावेदारी मजबूत बता सकती है।

संभल में भड़की हिंसा

मस्जिद के सर्वे के लिए कोर्ट कमिश्नर की टीम पहुंची टीम के खिलाफ हिंसक हुई भीड़ ने किया पथराव, पांच लोगों की मौत घायलों में डीआईजी, डीएम, एसपी और एसडीएम भी शामिल

संभल। संभल शहर की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए दाखिल वाद के आधार पर सर्वे के लिए कोर्ट कमिश्नर की टीम पहुंची तो संभल में बवाल हो गया। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार रविवार सुबह अचानक टीम के आने पर जुटी भीड़ मस्जिद में दाखिल होने कोशिश करने लगी। रोकने पर पुलिस पर पथराव कर दिया। हिंसक हुई भीड़ ने सीओ की गाड़ी समेत कई वाहनों में तोड़फोड़ कर दी और आग लगा दी। इसी बीच फायरिंग भी शुरू हो गई। पुलिस ने आंसू गैस के गोले और लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा। बवाल में घिरकर पांच लोगों की मौत हो गई। कई अधिकारियों समेत दर्जनों लोग घायल हुए हैं। तनाव को देखते हुए संभल में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।सर्वे टीम कोर्ट कमिश्नर चंदौसी के वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश सिंह राघव की अगुवाई में आई थी। संभल के डीएम डॉ. राजेंद्र पैसिया और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई भी टीम के साथ थे। बाहर हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने आंसू गैस के गोले और लाठियां चलाकर हिंसक लोगों को दौड़ाया और सर्वे टीम को सुरक्षित मस्जिद से बाहर निकाला। कुछ देर में भीड़ फिर जुट गई और पथराव शुरू कर दिया। फायरिंग भी की गई। मौके पर पहुंची अन्य जिलों की पुलिस और पीएसी के साथ अधिकारियों ने उपद्रव करती भीड़ से मोर्चा लिया। इसके बावजूद करीब डेढ़ घंटे हालात बेकाबू रहे। जैसे-तैसे भीड़ को तितर-बितर कर पुलिस आगे बढ़ी। पूरे इलाके की नाकेबंदी कर दी। इस बीच पूरे शहर में तनाव गहरा गया। शाम होने तक सख्ती इतनी बढ़ा दी गई कि शहर में अघोषित कर्फ्यू जैसा माहौल हो गया। हिंसा का शिकार युवकों के परिजनों ने पुलिस की गोली से मौत होने की बात कही है। दूसरी ओर मौके पर पहुंचे कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने कहा कि तीन युवकों में दो की मौत गोली लगने से हुई है, लेकिन पुलिस ने गोली नहीं चलाई थी। तीसरे युवक की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। कमिश्नर के मुताबिक घायलों में डीआईजी, संभल के डीएम, एसपी और एसडीएम भी शामिल हैं।कमिश्नर आंजनेय सिंह ने

कहा, सर्वे का काम शांतिपूर्वक चल रहा था। विवाद तब शुरू हुआ, जब लोगों का एक समूह वहां अचानक जमा हुआ और नारेबाजी शुरू कर दी। अधिकारियों ने भीड़ को समझाने की कोशिश भी कि सर्वे सुबह में इसलिए किया जा रहा है ताकि दिन में नमाज के समय लोगों को परेशानी न हो, पर लोग संतुष्ट नहीं हुए। पुलिस ने इलाके को खाली कराने का प्रयास किया तो पथराव शुरू कर दिया गया। लोग शायद शांति को भंग करने के लिए पहले से तैयार होकर आए थे।हिंसा के शिकार युवकों के परिजनों ने पुलिस की गोली से मौत होने की बात कही है। वहीं, पुलिस ने कहा कि तीन युवकों में दो की मौत गोली लगने से हुई है, लेकिन पुलिस ने गोली नहीं चलाई। पुलिस ने आंसू गैस के गोले और लाठी का प्रयोग किया था। संभल को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। पुलिस ने बताया, हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। दो महिलाओं समेत 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है। बता दें कि 19 नवंबर को संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए हिंदू पक्ष कोर्ट पहुंच गया था। चंदौसी स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य कुमार सिंह की अदालत में वाद दाखिल किया था। जिसपर कोर्ट ने कमीशन गठित कर रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव के नेतृत्व में टीम ने 19 नवंबर की शाम को ही सर्वे की की शुरुआत कर दी थी। रविवार को टीम सर्वे की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए दोबारा मस्जिद पहुंची थी। इस मामले में कोर्ट में अगली सुनवाई 29 नवंबर को होगी। हिंदू पक्ष ने संभल के चंदौसी स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए दावा पेश किया है। हिंदू पक्ष का कहना है कि मंदिर पृथ्वीराज चौहान के शासन से पहले बना था, जबकि मस्जिद मुगलकाल में मंदिर को तोड़कर बनाई गई थी। वहीं मुस्लिम पक्ष का कहना है कि मस्जिद टीले पर बनी है। किसी मंदिर को तोड़कर नहीं बनाई गई है। 19 नवंबर को हिंदू पक्ष द्वारा दावा पेश करने के दिन ही न्यायालय ने कोर्ट कमिश्नर नियुक्त कर दिया। उसी दिन कोर्ट कमिश्नर ने मस्जिद पहुंचकर सर्वे भी किया था। करीब दो घंटे तक वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की गई थी। कोर्ट कमिश्नर 29 नवंबर को न्यायालय में रिपोर्ट पेश करेंगे। सर्वे के बाद से जामा मस्जिद के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। जुमे की नमाज के दौरान शहर को छावनी में तब्दील कर दिया था, जिससे शांतिपूर्वक नमाज अदा हुई। रविवार की सुबह कोर्ट कमिश्नर दोबारा सर्वे करने पहुंचे तो बवाल शुरू हो गया।

जीवाश्म ईंधन के मुद्दे पर छाई निराशा

आज कल कश्यप सागर के पश्चिमी तट पर स्थित अजरबैजान की राजधानी बाकू में जीवाश्म ईंधन के उत्सर्जन पर अंकुश के लिए कॉप-29 शिखर सम्मेलन चल रहा हैं। इस देश में यह सम्मेलन इसलिए आयोजित हैं, क्योंकि यहां तापमान के लगातार बढ़ने और हिमखंडों के पिघलने के चलते तटीय बस्तियां डूबने की आशंकाएं जताई जा रही हैं। अतएव यहां का बंदरगाह, तेल खनन क्षेत्र और तटीय बस्तियां कई किमी दूर तक डूब जाने की शंका है। यह शंका तब और बढ़ गई, जबसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुन लिए गए हैं। क्योंकि ट्रंप जीवाश्म ईंधन के प्रबल पक्षधर रहे हैं। इसलिए वे पर्यावरण संकट को कोई खतरा न मानते हुए इसे पर्यावरणविदों द्वारा खड़ा किया गया एक हौवा भर मानते है। ट्रंप और उनके समर्थक नेताओं का समूह अधिकतम जीवाश्म ईंधन पैदा करने की वकालत करते रहे हैं। इधर ब्राजील में चल रहे संपन्न देशों के संगठन जी-20 में भी इस संकट से निपटने के लिए पूंजीपति देशों से आर्थिक मदद की गुहार का भी कोई परिणाम निकलता नहीं दिख रहा है। अतएव बाकू सम्मेलन में निराशा के चलते दुनिया के अस्तित्व पर मंडराते बहुआयामी खतरों से निपटने की उम्मीद कम ही है। जलवायु सम्मेलन कॉप-29 में कोयले, तेल और गैस अर्थात जीवाश्म ईंधन का उपयोग धीरे-धीरे खत्म करने की पैरवी पर्यावरण विज्ञानी कर रहे हैं, जिससे बढ़ते वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक केंद्रीत किया जा सके। अनेक देशों ने 2030 तक दुनिया की नवीनीकरण योग्य ऊर्जा को बढ़ाकर तीन गुना करने के सुझाव दिए हैं। इसके अंतर्गत अक्षय ऊर्जा के प्रमुख स्रोत सूर्य, हवा और पानी से बिजली बनाना है। इस सिलसिले में प्रेरणा लेने के लिए ऊरुग्वे जैसे देश का उदाहरण दिया गया, जो अपनी जरूरत की 98 फीसदी ऊर्जा इन्हीं स्रोतों से प्राप्त करता है। लेकिन यह एक अपवाद हैं, हकीकत यह है कि यूक्रेन और रूस तथा इजरायल और हमास के बीच चलते भीषण युद्ध के कारण कोयला जैसे जीवाश्म ईंधन से ऊर्जा उत्पादन का प्रयोग बढ़ा है और बिजली उत्पादन के जिन कोयला संयंत्रों को बंद कर दिया गया था। उनका उपयोग फिर से शुरू हो गया है। 2018 ऐसा वर्ष था, जब भारत और चीन में कोयले से बिजली उत्पादन में कमी दर्ज की गई थी। नतीजतन भारत पहली बार इस वर्ष के 'जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक' में शीर्ष दस देशों में शामिल हुआ था। वहीं अमेरिका सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में शामिल हुआ था। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में 'कॉप 25' जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में यह रिपोर्ट जारी की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार 57 उच्च कार्बन उत्सर्जन वाले देशों में से 31 में उत्सर्जन का स्तर कम होने के रुझान इस रिपोर्ट में दर्ज थे। इन्हीं देशों से 90 प्रतिशत कार्बन का उत्सर्जन होता रहा है। इस सूचकांक ने तय किया था कि कोयले की खपत में कमी सहित कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। इस सूचकांक में चीन में भी मामूली सुधार हुआ था। नतीजतन वह तीसवें स्थान पर रहा था। जी-20 देशों में ब्रिटेन सातवें और भारत को नवीं उच्च श्रेणी हासिल हुई थी। जबकि आस्ट्रेलिया 61 और सऊदी अरब 56वें क्रम पर रहे थे। अमेरिका खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में इसलिए आ गया था, क्योंकि उसने जलवायु परिवर्तन की खिल्ली उड़ाते हुए इस समझौते से बाहर आने का निर्णय ले लिया था। इस समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप थे। हकीकत है कि अमेरिका ने वास्तव में कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण के कोई प्रयास ही नहीं किए। दुनिया की लगभग 37 प्रतिशत बिजली का निर्माण थर्मल पावरों में किया जाता है। इन संयंत्रों की भट्टी में कोयले को झोंका जाता है, तब कहीं जाकर बिजली का उत्पादन होता है। दो युद्धों के चलते कोयले से बिजली उत्पादन पर निर्भरता बढ़ती दिखाई दे रही है। ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1500 ईसवीं में बड़ी मात्रा में कोयले के उत्खनन की शुरूआत हुई थी। इसके बाद जिन देशों में भी कारखाने लगे, उनमें लकड़ी और कोयले का प्रयोग लंबे समय तक होता रहा। दुनिया की रेलें भी कोयले से ही लंबे समय तक चलती रही हैं। भोजन पकाने, ठंड से बचने और उजाले के उपाय भी लकड़ी जलाकर किए जाते रहे हैं। अतएव धुएं के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन और धरती के तापमान में वृद्धि की शुरुआत औद्योगिक क्रांति की बुनियाद रखने के साथ ही आरंभ हो गई थी। इसके बाद जब इन दुष्प्रभावों का अनुभव पर्यावरणविदों ने किया तो 14 जून 1992 में रियो डी जनेरियो में पहला अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप जापान के क्योटो शहर में 16 फरवरी 2005 को पृथ्वी के बढ़ते तापमान के जरिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए क्योटो प्रोटोकॉल अंतरराष्ट्रीय संधि अस्तित्व में आई। इस संधि में शामिल देशों ने ग्रीन हाउस अर्थात मानव उत्सर्जित गैसों को कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। दुनिया के वैज्ञानियों ने एक राय होकर कहा कि मानव निर्मित गैस सीओ-2 के उत्सर्जन से धरती का तापमान बढ़ रहा है, जो जीवाश्म ईंधन का पर्याय है। 192 देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए हुए हैं। लेकिन वर्तमान में चल रहे दो भीषण युद्ध ने हालात बदल दिए हैं। नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत-चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन 40 देशों ने कोयले से पल्ला झाड़ लेने का भरोसा दिया था। 20 देशों ने विश्वास जताया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को बंद कर दिया जाएगा। आस्ट्रेलिया के सबसे बड़े कोयला उत्पादक व निर्यातक रियो टिंटो ने अपनी 80 प्रतिशत कोयले की खदानें बेच दीं थीं, क्योंकि भविष्य में कोयले से बिजली उत्पादन बंद होने के अनुमान लगा लिए गए थे। भारतीय व्यापारी गौतम अडानी ने इस अवसर का लाभ उठाया और अडानी ने 'आस्ट्रेलिया कोल कंपनी' बनाकर ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड क्षेत्र में कोयला खदानें भी हासिल कर लीं। अडानी ने कारमिकेल कोयला खदान पर पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिलने के बाद 2019 से कोयले का खनन शुरू कर इसे बेचना भी आरंभ कर दिया है। अडानी ने ऑस्ट्रेलियाई मूल के 1500 बेरोजगारों को प्रत्यक्ष और 6,750 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार देने का अनुबंध करके इस खदान से उत्खनन शुरू किया है। फरवरी 2022 में जब भारत में कोयले का संकट खड़ा हुआ था, तब आस्ट्रेलिया से ही भारत की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने कोयला खरीदा था। 2019 तक यूरोप केवल 20 प्रतिशत बिजली का उत्पादन कोयले से करता था। ऊर्जा की शेष जरूरतों की आपूर्ति गैस से होती थी। इसलिए अनेक यूरोपीय देशों ने 2025 तक अधिकतर ताप विद्युत घरों को बंद करने की परियोजनाओं पर काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन अब रूस से गैस की आपूर्ति बंद हो जाने के कारण इटली, जर्मनी, नीदरलैंड और ऑस्ट्रिया ने अपने कोयले से बिजली उत्पादन जारी रखने को मजबूर हो गए हैं। इन फैसलों के चलते अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी को कहना पड़ा था कि 2022-23 में यूरोपीय देशों में कोयले से बिजली का उत्पादन 7 से 10 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है। जबकि पूरी दुनिया में कोयले की खपत आठ अरब टन हो जाएगी। कोयले की इतनी ही खपत 2013 तक होती थी। साफ है, कोयले की खपत बिजली उत्पादन के लिए बढ़ेगी तो कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ेगा। अतएव धरती के तापमान में वृद्धि भी बढ़ेगी। ये अनुमान सही भी निकले हैं। वर्ष 2023 में 40.6 प्रतिशत अरब टन के वैश्विक कार्बनडाइ ऑक्साइड उत्सर्जन की तुलना में 2024 में कुल 41.6 अरब टन उत्सर्जन होगा, जो इसे रिकॉर्ड सबसे गर्म वर्ष बनाने जा रहा है। यह बात ग्लोबल कार्बन बजट 2024 की रिपोर्ट में कही गई है। विज्ञानियों ने चेतावनी दी है कि तापमान बढ़ने का प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधन से होने वाला उत्सर्जन है, जो 2023 की तुलना में 0.8 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 41.6 अरब टन हो जाएगा। इन बदलते हालातों में हमें जिंदा रहना है तो जिंदगी जीने की शैली को भी बदलना होगा। हर हाल में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करनी होगी। यदि तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है तो कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत कमी लानी होगी। आईपीसीसी ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्ष के रूप में रेखांकित किया हुआ है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है। गोया, कार्बन उत्सर्जन की दर नहीं घटी और तापमान में 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है तो असमय अकाल, सूखा, बाढ़ और जंगल में आग की घटनाओं का सामना निरंतर करते रहना पड़ेगा। बढ़ते तापमान का असर केवल धरती पर होगा, ऐसा नहीं है। समुद्र का तापमान भी इससे बढ़ेगा और कई शहरों के अस्तित्व के लिए समुद्र संकट बन जाएगा। इसी सिलसिले में जलवायु परिवर्तन से संबंधित संयुक्त राष्ट्र की अंतर-सरकारी समिति की ताजा रिपोर्ट के अनुसार सभी देश यदि जलवायु बदलाव के सिलसिले में हुई क्योटो-संधि का पालन करते हैं, तब भी वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 2010 के स्तर की तुलना में 2030 तक 10.6 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी। नतीजतन तापमान भी 1.5 से ऊपर जाने की आशंका बढ़ गई है। चूंकि विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन के लिए जीवाश्म ईंधन पर निर्भर हैं, इसलिए उन्हें कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए विकसित देशों से आर्थिक मदद की जरूरत है। 'एडॉप्टेशन गैस रिपोर्ट-2023 अंडर फायनेंस' में कहा गया है कि वर्तमान में वैश्विक स्तर पर एडॉप्टेशन अर्थात अनुकूलन के लिए जितनी वित्तीय मदद की जा रही है, उससे कहीं अधिक दस से 18 गुना आर्थिक मदद की जरूरत है। लेकिन मदद की यह पुकार नक्कारखाने की तूती साबित हो रही है।

प्रमोद भार्गव,लेखक/पत्रकार

पेज एक का शेष...

दीपम सेठ उत्तराखंड के...करने की सिफारिश पिछले दिनों कार्यवाहक डीजीपी अभिनव कुमार ने गृह सचिव को पत्र लिखकर यहां डीजीपी का चयन यूपी की तर्ज पर करने की सिफारिश की थी। उन्होंने मौजूदा उत्तराखंड पुलिस एक्ट के नियमों का हवाला भी दिया था। इसमें दो साल के लिए शासन की समिति ही डीजीपी का चयन कर सकती है। लेकिन, अब एकाएक गृह विभाग की ओर से केंद्र सरकार को शुक्रवार को पत्र लिखकर आईपीएस दीपम सेठ को वापस भेजने की मांग की थी। इस मांग को केंद्र सरकार ने भी अगले ही दिन स्वीकृत कर लिया और सेठ को शनिवार को रिलीव कर दिया गया। एडीजी दीपम सेठ आज दून आकर अपना मूल कैडर ज्वाइन करेंगे। इस संबंध में शासन स्तर पर सारी औपचारिकताएं भी पूरी कर ली हैं।

औधे मुंह गिरी...आयुष कॉलेजों की स्थिति की करें, तो 20 कॉलेजों में से आठ आयुष कॉलेज ही रेटिंग के अंतर्गत आ पाए हैं। रेटिंग की सूची में स्थान बनाने वाले उत्तराखंड के आठ आयुष कॉलेज में से श्एश रेटिंग केवल एक कॉलेज, श्बीश रेटिंग भी एक कॉलेज और सी रेटिंग 6 कॉलेजों को प्रदान की गई है ।एनसीआईएसएम द्वारा जारी रेटिंग तालिका में 'ए' रेटिंग पतंजलि भारतीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान हरिद्वार को तथा श्बीश रेटिंग हिमालय आयुर्वैदिक मेडिकल कॉलेज डोईवाला को तथा श्सीश रेटिंग हरिद्वार स्थित गुरुकुल आयुर्वेद कॉलेज ,देहरादून स्थित दून इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, देहरादून स्थित देवभूमि मेडिकल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, देहरादून स्थित शिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद एंड रिसर्च, भगवानपुर स्थित मदरहुड आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, हरिद्वार स्थित ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज को दी गई है। एनसीआईएसएम के मेडिकल एसेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड की ओर से जारी रेटिंग पर समग्र दृष्टि डालने से यह बात पूरी तरह स्पष्ट हो जाती है कि उत्तराखंड में आयुष कॉलेजों की स्थिति बेहद दयनीय है।ऐसे में लाख टके का सवाल यह है कि जो राज्य अपने गठन के 24 वर्षों के बाद तक अपने आयुष महाविद्यालय स्तरीय उन्नति नहीं सुनिश्चित कर पाया?, वह देश के नक्शे में आयुष प्रदेश के रूप में अपना स्थान कैसे बन पाएगा

एसएसपी ने लगाई...से सीसीटीवी कैमरे लगाये जाने है। जिसमें अभी तक जिला मुख्यालय में हल्द्वानी व काशीपुर मार्ग पर चलने 30 निजी बसों व 18 टैक्सियों में कैमरे लगाये जा चुके हैं शेष वाहनों में भी यह कार्य शीघ्र करने के निर्देश दे दिये गये हैं। कार्यक्रम के दौरान एसएसपी ने कई निजी वाहन चालकों को पुरस्कृत भी किया। इस मौके पर एसपी सिटी मनोज कत्याल, एएसपी निहारिका तोमर, सीओ पंतनगर भूपेन्द्र धौनी,सीओ सितारगंज बीएस चौहान, यातायात निरीक्षक नरेन्द्र कुमार, सीपीयू निरीक्षक राकेश बिष्ट, उप निरीक्षक सतपाल सिंह पटवाल, मुन्ना राम, दिनेश उप्रेती, निजी वाहन चालक अमित वर्मा, तेजपाल श्रीवास्तव, सूरज सिंह,चतुर मंडल,धर्मेन्द्र दिवाकर, इश्तियाक अहमद, मनमोहन पाल, नफीरा अहमद,हरीश कुमार, जुल्फिकार, ओमप्रकाश यादव, कुंदन सिंह दानू आदि मौजूद थे।

बोलेरो और स्कूटी..की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसके साथ ही बुलेरो में सवार चालक समेत चार लोग घायल बताए जा रहे हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। हादसे की सूचना पाकर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। कोतवाल प्रताप सिंह नेगी ने जानकारी देते हुए बताया कि घायलों की पहचान ललित मुरारी निवासी लोहाघाट , 38 वर्षीय बोलेरो चालक सतीश चंद , 47 वर्षीय हेम पाठक,45 वर्षीय कमला पाठक, 42 वर्षीय ललित पाठक के रूप में हुई है। ये सभी लोग लोहाघाट निवासी बताए जा रहे हैं।

हाईवे पर चलते स्वामी गुरमीत सिंह निवासी ऋषिकेश भी मौके पर पहुंच गए । आग बुझाने वाली फायर ब्रिगेड की टीम में लीडिंग फायरमैन गयूर अली, चालक उदयवीर सिंह यादव, फायरमैन शंकर कुमार आदि शामिल रहे।

रिटायर्ड फौजी ने ..से हवाई फायरिंग कर दी। जिससे अस्पताल परिसर में हड़कम्प मच गया। मामले में अस्पताल के चिकित्सक डॉक्टर पीयूष अग्रवाल की तहरीर पर रिटायर्ड फौजी मनोज गिरी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की गई है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम ऋषि सिंह चुघ (RISHI SINGH CHUGH)था, अब मैंने अपना नाम बदलकर ऋषि चुघ (RISHI CHUGH) रख लिया है। भविष्य में अब मुझे हर मौके विवरण में मेरे नये नाम ऋषि चुघ (RISHI CHUGH) से ही सम्बोधित किया जाये।

ऋषि चुघ पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार चुघ
निवासी-मकान नं-ई-80, फेज-2,
एलाइन्स किंग्स्टन स्टेट, रूद्रपुर,
जिला उधम सिंह नगर,उत्तराखण्ड

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

सितारगंज में 63 ने ठोकी दावेदारी

नगरपालिका के 13 वार्डों से चैयरमैन और सभासदों का होगा चयन

-हनीफ बाबा-

सितारगंज। नगर निकाय चुनाव में भाजपा, कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों ने भाजपा मंडल अध्यक्ष और कांग्रेस के नगर अध्यक्ष के समक्ष चैयरमैन, सभासद पद के 13 वार्डों के लिए 63 महिला, पुरुष ने दावेदारी प्रस्तुत की है। दोनों ही पार्टियों से अब तक दावेदारों ने अलग अलग वर्गों में सामान्य, ओबीसी, एससी, एसटी आदि सीट होने पर चुनाव में पार्टी से प्रत्याशी बनाने का दावा प्रस्तुत किया हैं। जबकि अभी तक नगर पालिका क्षेत्र के 13 वार्डों में चैयरमैन, ओबीसी सीटों को लेकर आरक्षण की स्थिति भी स्पष्ट नहीं है। नगर पालिका चुनाव का समय ज्यों ज्यों नजदीक आ रहा

है त्यों त्यों पालिका अध्यक्ष और सभासद पद के संभावित दावेदारों की संख्या में भी बढ़ोतरी हो रही है। अभी तक पालिका अध्यक्ष और सभासद के पदों के लिए विभिन्न वर्गों से 63 लोग भाजपा और कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष और नगर अध्यक्ष के समक्ष दावेदारी प्रस्तुत कर चुके हैं। भाजपा मंडल अध्यक्ष आदेश चौहान ने बताया कि अभी पालिकाध्यक्ष पद के संभावित उम्मीदवारों में सामान्य सीट से महेश मित्तल, संजय गोयल, राकेश त्यागी, दयानंद तिवारी, ओबीसी सीट से सुखदेव सिंह, रवि रस्तोगी, सरफराज अंसारी, यूनिश शेख, एससी से सोनल भुल्लर, एसटी से सुनीता राणा ने दावेदारी प्रस्तुत की हैं। भाजपा नेता अमित रस्तोगी ने बताया कि अभी तक सभासद पद के लिए सामान्य, ओबीसी में 12, 12 और एसटी में 2, एससी में 3 नाम सामने आए हैं। कांग्रेस नगर अध्यक्ष सरताज अहमद ने बताया कि अभी तक अध्यक्ष पद के लिए सरताज अहमद, जिलानी अंसारी, रामनगीना प्रसाद, हरीश दुबे, नरेंद्र बमराह ने सामान्य, ओबीसी में दावेदारी की हैं। जबकि अनुसूचित जनजाति की सीट पर उन्होंने कांग्रेस के संभावित प्रत्याशी के पत्ते नहीं खोले हैं।

26 किलो गांजे के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

रामनगर(उद संवाददाता)। कोतवाली पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान चलाते हुए पर्वतीय क्षेत्र से अवैध रूप से गांजा ला रहे दो तस्करों को गिरफ्तार कर उन्हें कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की है। आरोपियों के कब्जे से बरामद अवैध गांजे की कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है। जानकारी देते हुए कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि रविवार की शाम गर्जिया के समीप मैन रोड पर पुलिस ने मुखवीर की सूचना पर पर्वतीय क्षेत्र से आ रही एक बस की तलाशी लेने के दौरान बस में सवार दो लोगों को हिरासत में लेने के साथ ही उनके पास मौजूद तीन कट्टो की तलाशी ली गई तो उनमें 26 किलो

अवैध गांजा बरामद हुआ उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपियों ने अपना नाम परवेज अली और जीशान बताया दोनों ही आरोपी पतरामपुर जसपुर जिला उधम सिंह नगर के रहने वाले हैं उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की गई है।

नशेड़ी ट्रक चालक को किया गिरफ्तार

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। गत दिवस 46 बटालियन से आयोजित मैराथन दौड़ के दौरान नशे की हालत में ट्रक चलाते पकड़े गए चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया और ट्रक को सीज कर दिया। मैराथन दौड़ के दौरान पन्तनगर से बहुत तेजी से ट्रक लहराकर रुद्रपुर की तरफ आ रहा था। चालक को रास्ते में पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। उक्त वाहन को देखकर सड़क पर पैदल चलने वाले एवं यात्री एवं वाहन बुरी तरह से डरकर इधर-उधर भागने लगे। उक्त ट्रक संख्या यूके 06 टीए 1979 जैसे ही पारले चौक के पास पहुंचा तो वाहन को रोका गया। चालक नशे में था। उसने अपना नाम पता पूरन लाल पुत्र डोरी लाल निवासी दुधिया नगर और उसके साथ बैठे व्यक्ति ने कृष्णा पाल पुत्र रामअवतार निवासी परतापुर हरदासपुर जिला रामपुर बताया। पुलिस ने वाहन सीज कर चालक पूरनलाल को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

अपार आईडी पर 5185 छात्रों का डेटा रजिस्टर नहीं करने वाले 105 प्रधानाध्यापकों का रुकेगा वेतन

रुद्रपुर/काशीपुर(उद संवाददाता)। ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार) आईडी पर 5185 छात्र-छात्राओं का डेटा रजिस्टर नहीं करने वाले 105 प्रधानाध्यापकों का वेतन रोका जाएगा। इस मामले में जिले के सातों ब्लॉकों के उप शिक्षा अधिकारी की मानिटरिंग को लापरवाही मानते हुए स्पष्टीकरण तलब किए गए हैं। बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से हो रही कार्रवाई से शिक्षकों में खलबली मची है। सबसे अधिक सितारगंज के प्रधानाध्यापक हैं। एक देश-एक स्टूडेंट के तहत प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले प्रत्येक छात्र-छात्राओं का एक यूनिक नंबर अपार आईडी कार्ड में दर्ज होगा। अपार आईडी को आधार से लिंक किया जाएगा। यह आईडी डिजिलॉकर में सदा के लिए उपलब्ध रहेगी। अपार आईडी में विद्यार्थियों को 12 अंकों का स्थायी पहचान नंबर मिलता है। इसमें उनका नाम, पता, जन्मतिथि, फोटो के साथ शैक्षिक योग्यता, खेलकूद की गतिविधियां, स्कॉलरशिप, पुरस्कारों की सभी जानकारी भी ऑनलाइन दर्ज होगी। इसका उपयोग कर विद्यार्थी अपने शैक्षणिक डाटा को सुरक्षित भी रख सकते हैं। अपार आईडी जनरेट करने की जब समीक्षा की गई तो पाया गया कि बाजपुर के 06, गदरपुर के 04, जसपुर 07, काशीपुर के 15, खटीमा के 13, रुद्रपुर के 08 और सितारगंज के सबसे अधिक 51 विद्यालयों के 5185 छात्र-छात्रों की अभी तक अपार आईडी जनरेट नहीं की है। इस महत्वपूर्ण काम में घोर लापरवाही बरतने पर शिक्षा विभाग ने इन सभी 105 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों का नवंबर माह का वेतन बाधित कर दिया है। साथ ही अपार आईडी जनरेट करने के मामले में समय से मानिटरिंग नहीं करने पर सभी ब्लॉकों के उप शिक्षा अधिकारी को भी लापरवाह माना गया है। इसलिए दो दिन में सभी उप शिक्षा अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। काशीपुर ब्लॉक के राप्रावि और राउप्रावि दभौरा मुस्तकम, गिरधई, मढ़ैयो देवी, मुकंदपुर, ढकिया गुलाबो, धनौरा फार्म, गांधीनगर खत्ता, गढ़ी इंद्रजीत, कस्तूरबा गांधी, खाईखेड़ा, खालसा, पैगा, फसियापुरा, रजपुरा रानी, ढकिया गुलाबो को पत्र जारी कर स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। वहीं जसपुर, बाजपुर, गदरपुर, रुद्रपुर, सितारगंज के स्कूल भी शामिल हैं। डईओ हरेंद्र कुमार मिश्रा के अनुसार अपार आईडी अपलोड करने में जिले के 105 स्कूल बेहद लापरवाही कर रहे हैं। इसमें सभी प्रधानाध्यापकों का नवंबर माह का वेतन रोक दिया गया है। वहीं उप शिक्षा अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

समय से पहले प्रसव के बढ़ रहे रहे मामले

खून की कमी से बढ़ता है समय पूर्व प्रसव का खतरा

देहरादून। राजधानी देहरादून के जिला चिकित्सालय समेत अन्य अस्पतालों में समय से पूर्व होने वाले प्रसव के मामले बढ़ रहे हैं। इसका असर नवजात के स्वास्थ्य पर देखने को मिल रहा है। चिकित्सकों ने इसको लेकर चिंता जाहिर की है। अब बहुत सी मां अपने बच्चे को नौ महीने तक कोख में नहीं पाल पाती हैं। बच्चे नौ के बजाय सात महीने में ही पैदा हो रहे हैं। इससे बच्चों को कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी मुश्किलें आ रही हैं। दून के जिला अस्पताल के चिकित्सकों के मुताबिक, हर रोज ओपीडी में आने वालीं 150 गर्भवतियों में से करीब 15 महिलाएं ऐसी होती हैं, जो समय पूर्व प्रसव पीड़ा से जूझती हैं। दून अस्पताल में बने 22 बेड के नवजात गहन देखभाल इकाई (एनआईसीयू) में भी करीब 10 से 12 नवजात समय से पहले

जन्म लेने के कारण भर्ती किए जाते हैं। चिकित्सकों के मुताबिक, इन दिनों इस तरह के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। दून जिला अस्पताल की महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. मेघा असवाल बताती हैं कि जो महिलाएं बार-बार गर्भधारण करती हैं, उनमें समय पूर्व प्रसव का सबसे अधिक खतरा होता है। इसके अलावा जिन महिलाओं में गर्भावस्था के दौरान खून की कमी और पेशाब का इंफेक्शन होता है, वे भी समय से पहले प्रसव पीड़ा का शिकार हो जाती हैं। इसके पीछे की मुख्य वजह महिलाओं की अव्यवस्थित जीवनशैली है। चिकित्सक डॉ. मेघा असवाल के मुताबिक, गर्भधारण के 37 सप्ताह पूरे होने के बाद जन्म लेने वाले बच्चों को सामान्य माना जाता है, जबकि इन दिनों बड़ी संख्या में गर्भवतियों को 32 सप्ताह में ही प्रसव पीड़ा शुरू हो जाती है और पर समय से पहले ही बच्चे को जन्म दे देती हैं। इसका मां के साथ ही नवजात के स्वास्थ्य पर भी काफी असर देखने को मिलता है। गर्भावस्था के दौरान भारी वजन उठाने से भी बचना चाहिए। दून अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक ने बताया, समय से पूर्व प्रसव वाले नवजातों के मस्तिष्क और फेफड़े पूर्णरूप से विकसित नहीं हो पाते हैं। ऐसे में उनको कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा इस तरह के नवजातों की आंतों में पस भी बन जाता है। इससे वे दूध को पचा नहीं पाते हैं। महिलाओं को दो बच्चों के बीच में कम से कम तीन वर्ष का अंतराल रखना चाहिए, गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच करवानी चाहिए।

महिला हॉकी टीम की सदस्य मनीषा चौहान ने सीएम से की शिष्टाचार भेंट

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री आवास में एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी विजेता महिला हॉकी टीम की सदस्य हरिद्वार निवासी मनीषा चौहान ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मनीषा

के साथ उनके माता पिता एवं कोच भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने एशियाई चौंपियनशिप में मनीषा के शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा मनीषा ने उत्तराखण्ड के साथ ही पूरे देश का मान सम्मान और स्वाभिमान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने मनीषा को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी।